mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-59 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
01 मार्च 2026 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

धीरेंद्र शास्त्री बोले- शादी करेंगे पक्का है, जल्द खुशखबरी देंगे

मां से कहा- लड़की देखना शुरू करो; गुरु आज्ञा पर माता की पसंद से होगा विवाह

खजुराहो, एजेंसी। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपनी शादी को लेकर कहा है कि शादी निश्चित रूप से होगी और जल्द ही अच्छी खबर मिलेगी। उन्होंने कहा कि गुरु की आज्ञा मिलने के बाद वह जल्द ही माता की पसंद से ही विवाह करेंगे। धीरेंद्र शास्त्री ने स्पष्ट करते हुए कहा कि गुरु जी की आज्ञा हुई है। हमने माता जी को आज ही बोला है लड़की देख लो। उन्होंने आगे कहा कि उनके जीवन का सिद्धांत रहा है कि जो बातें उन्होंने कही हैं, वे देर से ही सही, पूरी हुई हैं।

धीरेंद्र शास्त्री 21 दिनों तक बद्रीनाथ में साधना करेंगे : शास्त्री ने बताया कि वह 21 दिनों तक बद्रीनाथ में साधना करेंगे, जिसमें पांच दिन की विशेष तपस्या शामिल होगी। इस साधना के पूर्ण होने के बाद शादी की प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना है। धीरेंद्र शास्त्री की इस घोषणा के बाद उनके अनुयायियों में उत्सुकता बढ़ गई है। लंबे समय से उनकी शादी को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। उन्होंने दोहराया कि यह विवाह उनकी व्यक्तिगत इच्छा से नहीं, बल्कि गुरु की आज्ञा और माता की पसंद के आधार पर होगा।

अफ्रीकी देश बोत्सवाना से एमपी लाए 9 चीते

इनमें 6 मादा, 3 नर, केंद्रीय वन मंत्री ने कूनो में छोड़ा; देश में कुनबा बढ़कर हुआ 48

श्योपुर, एजेंसी। एमपी के कूनो नेशनल पार्क में शनिवार सुबह 9 और चीते लाए गए। दक्षिण अफ्रीकी देश बोत्सवाना से 6 मादा और 3 नर चीता वायुसेना के विशेष विमान से पहले ग्वालियर, फिर हेलीकॉप्टर से कूनो नेशनल पार्क लाए गए। कूनो में अब चीतों का कुनबा 36 से बढ़कर 45 गया है। गांधी सागर अभयारण्य के तीन चीतों को मिलाकर देश में 48 चीते हैं। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव सुबह विशेष विमान से ग्वालियर, फिर हेलीकॉप्टर के जरिए कूनो पहुंचे। सुबह करीब 9:20 बजे उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से क्रेट का हैंडल घुमाकर दो चीतों को क्वारंटीन बाड़े में रिलीज किया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस नई खेप में मादा चीतों की अधिक संख्या से कूनो में लिंगानुपात (Se& Ratio) बेहतर होगा, जिससे भविष्य में प्राकृतिक प्रजनन की संभावनाएं और प्रबल होंगी।

जेनेटिक विविधता और संतुलन पर जोर

जानकारों के मुताबिक, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के बाद अब बोत्सवाना के चीतों के शामिल होने से कूनो में जेनेटिक विविधता और मजबूत होगी। कूनो में अब वयस्क चीतों की संख्या में 18 मादा और 16 नर शामिल हैं। सभी 9 चीतों को अगले एक महीने तक विशेष क्वारंटीन बाड़ों में विशेषज्ञों और डॉक्टरों की सख्त निगरानी में रखा जाएगा।

एआई समिट मामला : यूथ कांग्रेस के चीफ चिब को कोर्ट ने दी सशर्त जमानत

पुलिस नहीं बता पाई पर्याप्त ठोस कारण, कांग्रेस ने ली राहत की सांस

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को पटियाला हाउस कोर्ट के ड्यूटी मजिस्ट्रेट ने शनिवार को जमानत दे दी। यह मामला 20 फरवरी को भारत एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत मंडपम में हुए शर्टलेस विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की सात दिन की पुलिस रिमांड बढ़ाने की अर्जी खारिज कर दी, क्योंकि पुलिस पर्याप्त ठोस कारण नहीं बता पाई। रिपोर्ट के मुताबिक जमानत पर चिब को 50,000 रुपए का पर्सनल बॉन्ड भरना होगा। साथ ही अपना पासपोर्ट और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स कोर्ट में सरेंडर करने होंगे। उनके वकील ने बताया कि कोर्ट ने पुलिस की अर्जी पर सख्त टिप्पणी की और कहा कि रिमांड बढ़ाने के लिए कोई मजबूत आधार नहीं है। पुलिस का आरोप है कि चिब इस प्रदर्शन के मुख्य साजिशकर्ता थे। 20 फरवरी को एआई समिट के आखिरी दिन युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शर्टलेस होकर पीएम मोदी और सरकार के खिलाफ नारे लगाए थे। इनमें पीएम मोदी के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरें और भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ स्लोगन शामिल थे।

पुलिस का कहना है कि चिब ने कृष्णा हरि, कुंदन यादव, नरसिम्हा यादव, अजय कुमार यादव समेत अन्य के साथ मिलकर गैरकानूनी जमावड़ा किया, पुलिस अधिकारियों को ड्यूटी में बाधा डाली और हमला किया। साथ ही पूछताछ में सहयोग नहीं किया और फरार आरोपियों व टी-शर्ट छपवाने के स्रोत की जानकारी नहीं दी। चिब को 24 फरवरी को तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन पर 15 घंटे से ज्यादा पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया था। क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार रात देर से कोर्ट में रिमांड एक्सटेंशन मांगी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दी। इस घटना ने बड़ा राजनीतिक बवाल खड़ा किया। बीजेपी ने इसे भारत की ग्लोबल इमेज खराब करने की साजिश बताया, जबकि कांग्रेस ने इसे युवाओं की बेरोजगारी और एआई से नौकरियां छिनने जैसी चिंताओं को दिखाने वाला शांतिपूर्ण विरोध बताया।

अजमेर में पीएम नरेंद्र मोदी ने HPV वैक्सीनेशन अभियान की शुरुआत की।

पीएम बोले- कांग्रेस के कुकर्मों को देश माफ नहीं करेगा

ये अब INC नहीं, MMC है यानि मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस

अजमेर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- कांग्रेस को कुकर्मों के लिए देश कभी माफ नहीं करेगा। पूरे देश में कांग्रेस लगातार हार रही है और गुस्से में इसका बदला भारत को बदनाम करके ले रही है। कभी कांग्रेस INC यानी इंडियन नेशनल कांग्रेस थी। अब INC नहीं बची है। आज वो MMC बन गई है। MMC यानी मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस।

शनिवार को क्करू मोदी अजमेर के कायड़ विश्रामस्थली में सभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए 9 से 14 साल तक की लड़कियों के लिए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV) वैक्सीनेशन अभियान की शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने युवाओं को सरकारी नौकरी के जॉइनिंग लेटर भी दिए।

दुनिया के सामने कांग्रेस ने देश को बेइज्जत किया : हाल ही में दिल्ली में दुनिया का सबसे बड़ा एआई सम्मेलन हुआ। इसमें कई देशों के पीएम-राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री आए। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों के लीडर एक छत के नीचे इकट्ठे हुए। भारत की खुले मन से प्रशंसा की। हताशा, निराशा में डूबी कांग्रेस ने दुनिया भर के मेहमानों के सामने देश को बदनाम करने की कोशिश की।

इजराइल में आज भी याद किए जाते हैं राजस्थान के सपूत

राजस्थान के सपूत मेजर दलपत सिंह के शौर्य को इजरायल के लोग आज भी याद करते हैं। मुझे भी इजराइल की संसद में मेजर दलपत सिंह के शौर्य को नमन करने का मौका सौभाग्य मिला। राजस्थान के वीर बांकुरों की इजराइल के हाइफा शहर को आजाद कराने में जो भूमिका थी, उसका गौरव गान करने का अवसर मिला।

HPV टीकाकरण अभियान का शुभ

भजनलाल शर्मा बोले- राजस्थान भी विकसित भारत का ग्रोथ इंजन बनेगा

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- प्रधानमंत्री ने दिसंबर 2024, मई 2025, सितंबर 2025 में राजस्थान को 1 लाख 80 हजार करोड़ रुपए के विकास कार्यों का उपहार दिया था। आज भी प्रदेश को 17 हजार करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात मिल रही है। साथ ही बेटियों को सवाईकल कैंसर से बचाव विकसित भारत की दिशा में बढ़ते हुए कदम है। मैं आपको आश्वस्त करना चाहूंगा राजस्थान भी विकसित भारत 2047 के आपके विजन के ग्रोथ का इंजन बनेगा। हाल ही में एआई समिट में विश्व ने देखा भारत भविष्य के लिए तैयार है। भारत एक वैश्विक ताकत बनकर उभरा है। आपके मार्गदर्शन में ये डबल इंजन सरकार प्रदेश के विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। आज का दिन हमारे युवाओं के लिए विशेष है। आज आप 22 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान कर रहे हैं। ये नियुक्ति पत्र नहीं 22 हजार परिवारों के सपनों को साकार करने का अवसर है।

बरनाला में कांग्रेस की रैली

राहुल गांधी बोले- ट्रंप ने पीएम मोदी का गला पकड़ा, डील के कारण किसान बर्बाद होंगे

बरनाला, एजेंसी। पंजाब के बरनाला में कांग्रेस की रैली हो रही है। राहुल गांधी रैली को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में क्या हो रहा है। पिछले कुछ दिनों में प्रधानमंत्री ने क्या किया और इसका नतीजा क्या होने वाला है। इस बारे में बताने आया हूं। संसद में मेरा भाषण रोका।

उन्होंने कहा कि चार महीने से अमेरिका-भारत डील रुकी थी। जैसे मेरा भाषण चल रहा था। उसे रोका जा रहा था। उसी शाम प्रधानमंत्री का फोन ट्रंप को जाता है। यह मैंने ने नहीं कहा है। यह बात को लेकर ट्रंप ने ट्वीट किया है। पीएम ने ट्रंप को फोन किया। लेकिन किसी मंत्री को नहीं पूछा और कह दिया कि मैं डील के लिए तैयार हूं।

उन्होंने कहा कि डील में सोयाबीन दाल, अखरोट, बादाम यह सारा अमेरिका को दे दिया है। हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा के किसान बर्बाद होने जा रहे हैं। मोदी ने दरवाजा खोल दिया। अमेरिका का सामान आ रहा है। ट्रंप ने पीएम मोदी का गला पकड़ लिया है। सिर झुका दिया है।

मोदी भी डील नहीं चाहते थे। चार महीने से वह रोकने की कोशिश कर रहे थे। हम ब्यूरोक्रेटस से पूछते थे कि कृषि क्षेत्र तो नहीं खोल रहे हैं। वह जवाब देते थे कि नहीं खोल रहे हैं। लेकिन अब सवाल उठता है कि जो काम चार महीने में नहीं किया वह मोदी ने 15 मिनट में कैसे कर दिया।

खड़गे बोले- 2 मोर्चों पर बड़ी लड़ाई लड़नी है

इससे पहले पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद हैं। खड़गे ने कहा कि मुझे खुशी हो रही है कि पंजाब की धरती पर किसान और मजदूरों की महारैली हो रही है। यहां बातें किसानों के पक्ष में होंगी। जैसे आप तीन कृषि कानूनों के खिलाफ लड़े थे। वैसे ही आप केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि आप को 2 मोर्चों पर बड़ी लड़ाई लड़नी है। एक तरफ मोदी सरकार तो दूसरी तरफ पंजाब सरकार से लड़ना है। हमारी सरकार अपनी जमीन, जंगल और भूमि रक्षा के लिए कानून लेकर आई। लेकिन आज केंद्र सरकार हर चीज बेच रही है। नरेंद्र मोदी तो सरेंडर मोदी हैं।

अमेरिका-इजराइल का ईरान पर हमला, कई शहरों में धमाके

- ईरान ने पलटवार कर 400 मिसाइलें दागी, सुप्रीम लीडर खामेनेई सुरक्षित जगह शिफ्ट

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। इजराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई शहरों पर हमला कर दिया है। भारतीय समय के मुताबिक शनिवार सुबह तेहरान समेत कई शहरों में धमाके सुने गए हैं और हवाई हमलों के सायरन बज रहे हैं। अब तक तेहरान में जिन जगहों पर हमले की खबर है, उनमें खुफिया मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, सुप्रीम लीडर खामेनेई का ऑफिस और ईरान का परमाणु ऊर्जा संगठन शामिल हैं। हमले के बाद खामेनेई को सुरक्षित जगह शिफ्ट कर दिया गया है।

ईरान ने भी इजराइल पर जवाबी हमले शुरू कर दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने पलटवार करते हुए करीब 400 मिलाइलें दागी हैं।

अमेरिका और इजराइल का जॉइंट मिलिट्री एक्शन

इजराइल ने ईरान के खिलाफ अपने नए अभियान का नाम 'लियोनस् रोर' (शेर की दहाड़) रखा है। वहीं अल जजीरा ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह अमेरिका और इजराइल का जॉइंट मिलिट्री एक्शन है। यह हमला ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु हथियारों को लेकर चल रही बातचीत के बीच हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर हमले की धमकी दी थी।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान संघर्ष में दावा- 300 की मौत, 500 घायल

ट्रम्प बोले- पाकिस्तान अच्छा प्रदर्शन कर रहा; पाक का दावा- आतंकी हमलों के पीछे भारत

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष में दोनों पक्षों के 300 से ज्यादा लोगों मारे गए हैं, जबकि 500 से ज्यादा घायल हुए। दोनों देश आगे भी एक दूसरे को सैन्य कार्रवाई करने की धमकी दे रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से जब पूछा गया कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच अमेरिका दखल देगा? इस पर उन्होंने कहा कि मैं दखल दे सकता हूं, लेकिन मेरे पाकिस्तान से बहुत अच्छे रिश्ते हैं। पाकिस्तान इस समय काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। वहीं पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि देश में होने वाले आतंकी हमलों के पीछे भारत की भूमिका है। उनका कहना है कि इन गतिविधियों के लिए अफगान तालिबान के क्षेत्र का इस्तेमाल किया जाता है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष की शुरुआत गुरुवार देर रात हुई, जब अफगानिस्तान ने 22 फरवरी को हुए पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक के जवाब में कार्रवाई की। इसके बाद में पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन गजब-लिल-हक' शुरू किया। पाकिस्तानी वायुसेना ने काबुल, कंधार, पक्तिया, नंगरहार और अन्य प्रांतों में एयरस्ट्राइक की।

धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड का नोटिस

रांची, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड ने नोटिस जारी किया है। मामला रांची के हरमू इलाके में स्थित II-10A आवासीय प्लॉट से जुड़ा है। बोर्ड का आरोप है कि यह प्लॉट केवल आवासीय उद्देश्य से आवंटित किया गया था, लेकिन वर्तमान में वहां कथित तौर पर एक पैथोलॉजी लैब संचालित की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह आवंटन की शर्तों का उल्लंघन है। नोटिस में धोनी से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो प्लॉट का आवंटन रद्द करने की सिफारिश की जा सकती है।

केजरीवाल ने कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में पूजा की, मनीष सिसोदिया-संजय सिंह भी साथ रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व सीएम और आप नेता अरविंद केजरीवाल दिल्ली के कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में पूजा की। उनके साथ पत्नी सुनीता केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, आप सांसद संजय सिंह समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

एक दिन पहले ही दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई मामले में केजरीवाल-सिसोदिया समेत 23 लोगों को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बरी किया था। कल शाम केजरीवाल ने आप दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की थी। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी और अमित शाह ने हमारे खिलाफ षड्यंत्र रचा। वे आप को हरा नहीं पाए तो खत्म करने जुट गए। उन्होंने कहा कि मैंने जिंदगी में सिर्फ ईमानदारी कमाई, कोर्ट में ये साबित हो गया।

दरअसल, आरोप है कि दिल्ली में 2021-22 की आबकारी नीति में घोटाला हुआ है। केजरीवाल की सरकार के दौरान नई शराब नीति में लाइसेंस देने और मार्जिन तय करने में अनियमितताएं हुईं।

इससे कुछ निजी कारोबारियों को फायदा पहुंचा। बाद में यह नीति वापस ले ली गई। CBI केस में आरोपियों को बरी किया गया है।

मुस्लिम धर्म छोड़ चुके यूट्यूबर को 14 चाकू मारे

- सलीम वास्तिक पर दिनदहाड़े हमला, योगी बोले- दोषियों को बख्शेंगे नहीं

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में सनसनीखेज मामला सामने आया है। लोनी इलाके में यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर शुक्रवार को दिनदहाड़े घर में घुसकर जानलेवा हमला किया। सलीम मुस्लिम धर्म छोड़ चुके थे और इस्लाम की कमियों पर खुलकर बोलते रहते हैं।

पुलिस के मुताबिक, बिना नंबर प्लेट की बाइक से आए नकाबपोश हमलावरों ने सलीम पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। गला रेतने की कोशिश की। सलीम चीखने लगे। पकड़े जाने के डर से हमलावर उन्हें अधमरा छोड़कर भाग निकले। शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे।

उन्होंने सलीम के बेटे और पत्नी को फोन कर बुलाया। पुलिस को सूचना दी। परिजन फौरन उन्हें पास के अस्पताल ले गए। जहां से उन्हें दिल्ली के गुरु तेग बहादुर अस्पताल (जीटीबी) रेफर कर दिया गया। यूट्यूबर के सीने, पेट, बाजू, गर्दन और पैर में 14 जख्म हैं। इस बीच, ष्टरू योगी ने मामले का संज्ञान लेकर सख्त एक्शन के निर्देश दिए। कहा- कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। यूपी में आतंक की कोई जगह नहीं है। कानून अपना काम करेगा। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के अशोक विहार कॉलोनी की है।

सलीम यूट्यूब पर 'सलीम वास्तिक 0007' के नाम से चैनल चलाते हैं। इस्लाम, मदरसों की शिक्षा और मुस्लिम समाज की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाते हैं। तीन हफ्ते पहले उन्हें एक वीडियो पोस्ट किया था। कहा था- मेरा फेसबुक और इंस्टाग्राम डिलीट कर दिया। 3.5 लाख फॉलोवर थे। ऐसे गुंडागर्दी से तुम लोग मुझे चुप नहीं करा सकते।

बोलिविया में करेंसी से भरा प्लेन क्रैश, 15 की मौत,30 घायल

- खराब मौसम के कारण रनवे से फिसला; हाईवे पर बिखरे नोट उठाने जुटे लोग

ला पाज, एजेंसी। बोलिविया के एल आल्टो शहर में शनिवार सुबह (भारतीय समयानुसार) एक विमान क्रैश हो गया। यह बोलिविया की वायुसेना का हरक्यूलिस विमान था। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हैं। विमान देश के सेंट्रल बैंक के नए नोट लेकर जा रहा था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, खराब मौसम के बीच विमान लैंडिंग के बाद रनवे से फिसलकर पास की व्यस्त सड़क पर जा गिरा। जिस सड़क पर यह गिरा, वहां खड़ी 10 से 15 गाड़ियां भी इसके चपेट में आ गईं। एयरक्राफ्ट का मलबा, टूटी हुई कारें और लाशें सड़क पर बिखरी नजर आईं। सड़क पर बैंक के नोट भी बिखरे नजर आए, जिन्हें उठाने के लिए लोग मौके पर जुट गए। हादसे के बाद एयरपोर्ट अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

दो टुकड़ों में बंटा प्लेन

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में हादसे के बाद अफरातफरी का माहौल दिखा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों को पानी की बौछार और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। हालांकि, इन वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। हादसे के बाद एल आल्टो इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। राष्ट्रीय एयरलाइन ने बयान जारी कर बताया कि दुर्घटनाग्रस्त प्लेन उसके बेड़े का हिस्सा नहीं था, यह बोलिवियन एयर फोर्स का विमान था। स्थानीय मीडिया में प्रसारित फुटेज में विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखा। हादसे के बाद प्लेन दो टुकड़ों में बंट गया। बोलिविया का सेंट्रल बैंक आज इस घटना पर प्रेस ब्रीफिंग करने वाला है। हादसे के कारणों की आधिकारिक जांच शुरू कर दी गई है। घायलों का इलाज स्थानीय अस्पतालों में जारी है। प्रशासन ने मृतकों की पहचान और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है।

हरियाणा में कब होगी बारिश एक्टिव हो रहे दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस

मौसम विभाग ने जारी किया 4 मार्च तक का पूर्वानुमान

हिसार, एजेंसी। हरियाणा में 4 मार्च तक मौसम आमतौर पर सूखा रहने वाला है। हालांकि, मौसम के बदलते रहने की भी उम्मीद जताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आने की उम्मीद है, लेकिन दोनों ही कमजोर हैं, जिससे बारिश की संभावना कम है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, हिसार के एग्रीकल्चरल मेटियोरोलॉजी डिपार्टमेंट के हेड डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि पहला वेस्टर्न डिस्टर्बेंस, जिसके कुछ असर से 28 फरवरी और 1 मार्च को राज्य के कुछ हिस्सों में हल्के बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम हवाएं चलने की संभावना है। वहीं दूसरा वेस्टर्न डिस्टर्बेंस 3 मार्च की रात को आएगा, जिसके कुछ असर से 4 मार्च को मौसम बदलने की संभावना है। इस दौरान हवाओं की दिशा बीच-बीच में बदलने के आसार हैं। इस दौरान तापमान में ज्यादा उतार-चढ़ाव देखी जा सकती है।

बारिश का
पूर्वानुमान

होली पर घर जाने की होड़, फरीदाबाद में उमड़ी कामगारों का भीड़ ; हरियाणा रोडवेज चलाएगा अतिरिक्त बसें

बल्लभगढ़, एजेंसी। होली चार मार्च को है। इसे लेकर औद्योगिक नगरी के कामगारों, जो मूल रूप से सीमावर्ती जिलों के निवासी हैं, ने अपने घरों के लिए जाना शुरू कर दिया है। किसी को अपने घर जाने में परेशानी का सामना न करना पड़े इसे ध्यान में रखते हुए हरियाणा रोडवेज ने राजा नाहर सिंह बस अड्डा बल्लभगढ़ से अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला लिया है। औद्योगिक नगरी होने के कारण यहां पर छोटी-बड़ी 30 हजार फैक्ट्री व वर्कशाप चल रही हैं। इनमें अलीगढ़, मथुरा, बुलंदशहर, आगरा, भरतपुर, अलवर, नूहं, पलवल, गुरुग्राम, सोनीपत जिले लाखों कामगार हैं। यह कामगार अपने परिवार या फिर अकेले यहां पर किराये पर रहते हैं। यह लोग दीवाली और होली के मौके पर अक्सर अपने घरों को जाते हैं। इसकी वजह से बल्लभगढ़ बस अड्डे पर जाने वालों की हजारों की संख्या में रोजाना भीड़ लगी रहती है।

लटक कर सफर करने को होते हैं मजबूर : कई बार यह लोग डग्गामार बसों और कैब व अवैध रूप से चल रही बस, कारों में बैठ कर जाते हैं। कई बार लोग बैठने की जगह न मिलने के कारण खिड़कियों पर लटक कर या बसों की छतों पर बैठ कर जाते हैं। इन लोगों की परेशानी को देखते हुए हरियाणा रोडवेज ने राजा नाहर सिंह बस अड्डे इन क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला लिया है।

दिल्ली पुलिस को मिली तेजस की ताकत, क्राइम कंट्रोल के लिए सड़कों पर उतरे एआई वाले 'योद्धा'

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने साउथ-ईस्ट दिल्ली में तेजस पेट्रोल नाम से एक नई पहल शुरू की है। दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर मधुप तिवारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को साउथ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट में एआई-पावर्ड तेजस हाईवे पेट्रोल फ्लीट को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर मधुप तिवारी ने कहा कि हमने ञ्चश्चछ्व्र नाम की एक पहल शुरू की है। इसमें खासकर रात में असरदार पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने के लिए योद्धा गाड़ियां तैयार की गई हैं। इनके जरिये हम इलाके में डीप पेट्रोलिंग करेंगे। इनमें त्नक्क- लगा है और कई तरह डिवाइस हैं, जो पेट्रोलिंग में हमारी मदद करेंगे... अभी के लिए, हमने 5 योद्धा गाड़ियां और मोटरसाइकिल तैयार की हैं।

विजिबल पुलिसिंग को मजबूत करना मसकद : एक अधिकारी ने बताया इस पहल का मकसद विजिबल पुलिसिंग को मजबूत करना, अपराध की रोकथाम को बढ़ाना और कमजोर इलाकों में तेजी से रेस्पॉन्स देना है। उन्होंने कहा कि यह पहल रूटीन पेट्रोलिंग से हटकर एक स्ट्रक्चर्ड, इंटेलिजेंस-लेड एरिया डॉमिनेशन मॉडल की ओर बदलाव है, जिसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी और रियल-टाइम मॉनिटरिंग का सपोर्ट मिला है।

मोबाइल कमांड यूनिट के तौर पर काम करेंगे खास चार पहिया वाहन : इसके तहत खास चार पहिया वाहन मोबाइल कमांड यूनिट के तौर पर काम करेंगे, जबकि दो पहिया वाहन संकरी गलियों और भीड़भाड़ वाली जगहों तक तेजी से पहुंच सुनिश्चित करेंगे।

ऑटोमेटेड डैशबोर्ड के जरिये पेट्रोलिंग मूवमेंट पर नजर रहेगी: पुलिस के मुताबिक, डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल रूम ऑटोमेटेड डैशबोर्ड के जरिये पेट्रोलिंग मूवमेंट पर नजर रखेगा, जो स्पेशल कवरेज और डिप्लॉयमेंट मेट्रिक्स को ट्रैक करेगा ताकि जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। यह सिस्टम एआई-रेडी है और हॉटस्पॉट मैपिंग और डेटा-बेस्ड रिसोर्स एलोकेशन को आसान बनाएगा।

आदतन अपराधियों पर कसेगा शिकंजा : तेजस पेट्रोल टीम आदतन अपराधियों के खिलाफ सरप्राइज चेकिंग और टारगेटेड ड्राइव भी चलाएगी। दिल्ली पुलिस का फोकस लगातार और अनप्रेडिक्टेबल विजिबिलिटी के जरिये रोकथाम पर है ताकि लोगों का भरोसा बढ़े और जिले में सड़क सुरक्षा बेहतर हो।

पहले प्यार में मिला धोखा, फिर लिफ्ट देने वाले दरिंदे ने रेप कर ले ली जान ; खौफनाक वारदात

जगतसिंहपुर, एजेंसी। ओडिशा के जगतसिंहपुर में दिल दहला देने वाली वारदात। प्रेमी के धोखे के बाद एक अनजान युवक ने लिफ्ट के बहाने 23 वर्षीय युवती से दुष्कर्म किया और पुलिस से शिकायत की धमकी देने पर उसे चौथी मंजिल से फेंक दिया। पूरी खबर पढ़ें। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में एक 23 वर्षीय युवती के साथ दरिंदगी और हत्या का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में युवती के प्रेमी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि इन्होंने युवती को धोखा दिया, उसके साथ रेप किया और फिर उसे एक मकान की चौथी मंजिल से नीचे फेंक दिया। जगतसिंहपुर के पुलिस अधीक्षक अंकित कुमार वर्मा ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए प्रेमी की उम्र 31 साल है। वहीं दूसरा आरोपी 24 साल का है, जो मूल रूप से झारखंड के धनबाद का रहने वाला है और पारादीप की एक निजी कंपनी में काम करता है।

शादी का झांसा और प्रेमी का धोखा : पुलिस के अनुसार, घटना की शुरुआत रविवार को हुई जब युवती अपने प्रेमी के साथ शादी करने के लिए तिरतोल स्थित एक मंदिर गई थी। लेकिन वहां प्रेमी ने उसे धोखा दे दिया। सुनसान जगह का फायदा उठाते हुए उसने कथित तौर पर युवती के साथ मारपीट की और उसे एक बस स्टैंड पर अकेला छोड़कर वहां से फरार हो गया।

लिफ्ट के बहाने ले गया और किया रेप : रविवार शाम के समय, नशे में धुत झारखंड निवासी दूसरे आरोपी ने बस स्टैंड पर अकेली खड़ी युवती को अपनी मोटरसाइकिल पर लिफ्ट देने की पेशकश की। अनजान शहर में परेशान युवती ने उस पर भरोसा कर लिया और उसके साथ चली गई। आरोपी उसे अपने किराए के मकान में ले गया और वहां उसके साथ कथित तौर पर रेप किया। एफआईआर की धमकी देने पर की हत्या जब युवती ने इस दरिंदगी के खिलाफ पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराने की धमकी दी, तो आरोपी घबरा गया और उसने युवती को इमारत की चौथी मंजिल से नीचे धक्का दे दिया। सिर में गंभीर चोटें आने के कारण युवती की दर्दनाक मौत हो गई। सोमवार तड़के उसका शव बरामद किया गया, जिस पर चोट के कई गहरे निशान मौजूद थे।

फरीदाबाद के बाटा आरओबी की जर्जर सड़क पर काम अब भी शुरू नहीं, पीडब्ल्यूडी के आश्वासन से लोग परेशान

बल्लभगढ़ (फरीदाबाद), एजेंसी। एक सप्ताह और बीत गया है। औद्योगिक नगरी के प्रवेश द्वार बाटा रेलवे ओवरब्रिज पर सड़क बनाने का काम शुरू नहीं हो पाया। लोक निर्माण विभाग(बीएंडआर) पहले की तरह से आश्वासन के बाद भी काम शुरू नहीं किया। दो महीने से विभाग लगातार काम शुरू करने की तारीख दे रहा है, किंतु तारीख पर तारीख के बाद नहीं शुरू हो रहा है तो निर्माण कार्य, जिसकी नितांत आवश्यकता है।

अब तो यहां से निकलने वाले हजारों वाहन चालकों का विभागीय अधिकारियों पर से विश्वास उठता जा रहा है। यह हाल तब है जब नवंबर-2025 में 70 लाख का टेंडर छोड़ा जा चुका है। बाटा आरओबी को पीडब्ल्यूडी ने 2000 में बनवाया था। इसके बाद विभाग ने 2008 में एक बार सड़क बनाई थी। तब से विभाग ने सड़क के गड्ढों पर पैचवर्क तो किया, लेकिन कभी पूरी तरह से सड़क बनी हो, ऐसा दिन देखने को नहीं मिला। तीन विधानसभा क्षेत्रों बड़खल, बल्लभगढ़ व एनआइटी को जोड़ने वाला यह पुल औद्योगिक नगरी एनआइटी का प्रवेश द्वार है। और दिलचस्प बात यह है कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों के विधायक भाजपा से हैं, उसके बावजूद महत्वपूर्ण सड़क नहीं बन पा रही। सड़क पर गहरे व चौड़े गड्ढे हो गए हैं। दिन में तो बचते-बचाते इधर उधर से वाहन चालक निकल जाते हैं, पर स्ट्रीट लाइट न होने की वजह से रात के अंधेरे में वाहनों को गड्ढों से निकलने में दिक्कत होती है।

बाटा आरओबी से आते-जाते हैं इन क्षेत्रों के लोग: एनआइटी नंबर-एक, दो इंडस्ट्रियल एरिया, सारन, जवाहर कालोनी, डबुआ कालोनी, डबुआ गांव, पर्वतीय कालोनी, प्रेस कालोनी, सेक्टर सात, आठ, नौ, 10 और 11 के लोग बाटा आरओबी से आवागमन करते हैं। बाटा आरओबी की सड़क में बनने गड्ढों से हजारों वाहन चालक हो रहे परेशान। बाटा मोड़ से बाटा चौक तक पुल से उतरते ही हार्डवेयर चौक से बायीं तरफ रोड औद्योगिक क्षेत्र सेक्टर-24 को जाती है, दायीं तरफ और आगे घना रिहायशी क्षेत्र के साथ-साथ जिले की सबसे बड़ी डबुआ सब्जी मंडी, आगे भारतीय खाद्य निगम का भंडारण गृह व उससे आगे रास्ता सैनिक कालोनी होते हुए गुरुग्राम को जाता है। इस नाते रोज़ाना 50 हजार से अधिक छोटे-बड़े वाहन निकलते हैं। सड़क में बने गड्ढों की वजह से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। पहले ग्रेप के कारण निर्माण न होने, कभी वर्षा व कोहरा होने के चलते काम नहीं हो सकता की बात होती रही। अब इस माह जब मौसम पूरी तरह से साफ हो गया, तो बताया गया कि एक सप्ताह बाद काम शुरू कर देंगे, पर एक सप्ताह और बीत चुका है, काम शुरू नहीं हुआ।

राजस्थान में गाय चराने पर मिलेगा हर महीने 10 हजार रुपये, हर गांव में नियुक्त होगा एक ग्वाला

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान सरकार ने गोवंश को चराने के लिए गांव ग्वाला योजना प्रारंभ की है। इस योजना के तहत प्रत्येक गांव में एक ग्वाला नियुक्त किया जाएगा। ग्वाला प्रतिदिन सुबह गांव के सभी गोवंश को एकत्र कर गोचर भूमि में लेकर जाएगा। दिनभर गोवंश को चराने के बाद सुरक्षित रूप से वापस मालिक के घर तक छोड़ेगा। राजस्थान के पंचायती राजमंत्री मदन दिलावर ने बताया कि प्रत्येक ग्वाला को दस हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जाएगा। इस योजना की शुरूआत पिछले दिनों कोटा जिले के रामगंजमंडी से पंचायती राजमंत्री ने की थी। पंचायती राजमंत्री ने बताया कि रामगंजमंडी उपखंड में 14 ग्वाले नियुक्त किए गए हैं। राज्य के सभी गांवों में इस योजना को लागू किया जाएगा। इस योजना का मुख्य मकसद गोवंश को सरंक्षित करना है।

दिल्ली में किराड़ी की समस्या का होगा समाधान

200 करोड़ में बनेंगे दो नाले

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शुक्रवार को 'प्रवास कार्यक्रम' के तहत उत्तर-पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के लोगों के बीच पहुंचीं और सरकार के पिछले एक वर्ष के कामों का वार्षिक रिपोर्ट कार्ड साझा किया। उन्होंने कहा कि अगले 27 साल तक दिल्ली सरकार बनाए रखने के लिए दिल्ली की जो सेवा करनी है, उसके लिए लगातार काम करेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री किराड़ी की जल निकासी के लिए अहम घोषणा की, कहा- किराड़ी में दो ड्रेन बनाई जाएंगीं। उन्होंने बताया कि एक ड्रेन पर 120 करोड़ व दूसरी पर 64 करोड़ रुपये खर्च होंगे। शुक्रवार को रोहिणी सेक्टर-32 ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपनी सरकार के एक साल के कार्यकाल के दौरान किए विकास कार्यों को गिनाया और साथ ही आने वाले समय में होने वाले कार्यों के बारे में लोगों को अवगत कराया।

सीवर की लाइन पर भी चल रहा काम : उन्होंने कहा कि सरकार कोशिश की है, दिल्ली के सभी गांव बसों से जोड़ा जाए। अभी चार हजार बसें हैं, इस संख्या को 14 हजार तक पहुंचाया जाएगा। वर्षों से जो सड़कें टूटी पड़ी थीं, वहां आज नई सड़कें बन रही हैं। पानी की पाइप लाइन, सीवर की लाइन पर भी काम चल रहा है। वहीं, घेवरा में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के लिए काम शुरू कर दिया है। नए मास्टर प्लान का इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। सरकार जल्द ही नया मास्टर प्लान घोषित करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली अब सिर्फ विज्ञापनों तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीन पर असली विकास हो रहा है। उन्होंने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि यह क्षेत्र लंबे समय तक उपेक्षित रहा। लेकिन पिछले एक साल में भाजपा सरकार ने 'अंत्योदय से ग्रामोदय' के लक्ष्य के साथ यहां विकास की ठोस शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि वे मुंडका, बवाना, नरेला, किराड़ी और सुल्तानपुर माजरा जैसे ग्रामीण इलाकों में आती हैं तो उन्हें अपने परिवार के बीच होने का अनुभव होता है। उन्होंने बताया कि इस दौरान क्षेत्र में सड़क, पानी और सीवरेज जैसी बुनियादी सुविधाओं का युद्धस्तर पर विस्तार किया गया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नए प्रोजेक्ट्स को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। मुंडका विधानसभा क्षेत्र के लिए 264 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया जाना यहां के लिए बड़ी सौगात है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उत्तर-पश्चिमी दिल्ली की 10 विधानसभाओं में भले ही कुछ क्षेत्रों का नेतृत्व विपक्ष कर रहा हो।

जेएनयू में संग्राम: छात्रों ने कुलपति का पुतला फूंका, कैंपस के बाहर हाई सिक्योरिटी अलर्ट

SHAME ON
DELHI
POLICE

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय एक बार फिर से सुर्खियों में है। जेएनयू वाइस चांसलर के कथित जातिवादी कमेंट्स और यूजीसी रेगुलेशन लागू करने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन के बाद माहौल गरमाया हुआ है। उधर, छात्रों को हिरासत और गिरफ्तार करने के विरोध में एक बार फिर जेएनयू के बाहर माहौल गरमाया हुआ है। वहीं, रात में छात्र कुलपति का पुतला जलाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। हालांकि, सुरक्षा के लिहाज से मौके पर हाई सिक्योरिटी कर दी गई। इसके बावजूद भी छात्रों ने कुलपति का पुतला फूंक दिया। जेएनयू परिसर के बाहर प्रदर्शन को लेकर झड़प मामले में पुलिस ने छात्र संघ अध्यक्ष समेत 14 छात्रों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने छात्रों पर सरकारी कार्य में बाधा डालने, चोट पहुंचाने आदि धाराओं में केस दर्ज किया था। बता दें कि पकड़े गए छात्रों में जेएनयू छात्रसंघ अध्यक्ष अदिति मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष नीतीश कुमार, उपाध्यक्ष गोपिका के बाबू व संयुक्त सचिव दानिश अली आदि शामिल हैं।

पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया : पुलिस ने पकड़े गए छात्रों को शुक्रवार को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी को 25-25 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी गई। पुलिस के मुताबिक, जेएनयू छात्रसंघ ने गुरुवार को विरोध मार्च का आह्वान किया था। छात्र जेएनयू से शिक्षा मंत्रालय तक विरोध मार्च निकालना चाहते थे। करीब 400 से 500 छात्र परिसर के बाहर निकल आए। छात्रों को बताया गया कि जेएनयू प्रशासन की तरफ से इस तरह के विरोध मार्च की अनुमति नहीं है। इसलिए वह कैंपस तक सीमित रहें। पुलिस द्वारा लगातार बातचीत और अपील करने के बाद भी छात्र विरोध मार्च निकालने पर अड़े रहे। रोके जाने पर छात्रों ने बैरिकेड्स को नुकसान पहुंचाया। पुलिसकर्मियों पर बैनर, डंडे व चप्पल फेंकी गई। पुलिस वालों से मारपीट करने के अलावा उन्हें दांत से भी काटा गया।

इटली के मिलान में पटरी से उतरी ट्राम, दुकान में घुसी, हादसे में दो लोगों की मौत

मिलान, एजेंसी। इटली के मिलान शहर में शुक्रवार को एक ट्राम के पटरी से उतरने से बड़ा हादसा हो गया। बेपटरी होने के बाद ट्राम एक इमारत से टकरा गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए। शहर के मेयर ग्यूसेप्पे सला ने घटनास्थल पर पहुंचकर बताया कि मृतकों में से एक व्यक्ति ट्राम के पटरी से उतरने के दौरान उसकी चपेट में आ गया, जबकि दूसरा पीड़ित एक यात्री था। हादसे के बाद कुछ ही देर में मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने सदमे में आए यात्रियों को आपातकालीन कंबलों में लपेट दिया, जबकि एंबुलेंस गंभीर रूप से घायल लोगों को अस्पताल ले गई। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने हादसे के बाद मृतकों के लिए अपनी संवेदना व्यक्त की।

चालक ने ट्रैक स्विच को नहीं किया था सक्रिय : मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि चालक ने ट्रैक स्विच को सक्रिय नहीं किया था। यह भी बताया गया है कि दुर्घटना से पहले चालक लाइन के अंतिम स्टॉप से भी आगे निकल गया था। द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि एक आदमी ट्राम के नीचे फंसा था, जिसका हाथ ट्राम के नीचे आ गया था। मुख्य जांचकर्ता अभियोजक मार्सेलो वियोला ने कहा कि ट्राम के बेपटरी होकर इमारत में घुसने की वजह से बिल्डिंग पर काफी प्रभाव पड़ा है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा कारणों के चलते फिलहाल इमारत को खाली करा लिया गया है। सला के अनुसार पीड़ितों में से एक 60 वर्ष से अधिक आयु के इटली के नागरिक थे, जबकि दूसरा एक विदेशी नागरिक था जो शहर में रहता था।

प्रारंभिक जांच में हादसे की क्या वजह आई सामने: उन्होंने आगे कहा, ऐसा नहीं लगता कि यह कोई तकनीकी समस्या थी, बल्कि यह ड्राइवर से संबंधित थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने मीडिया को बताया कि ट्राम तेज गति से चल रही थी। लेकिन यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या वह ट्राम के लिए निर्धारित 50 किलोमीटर (31 मील) प्रति घंटे की गति सीमा का उल्लंघन कर रही थी।

अफगानिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान के समर्थन में उतरे ट्रंप शहबाज और मुनीर की शान में पढ़े कसीदे

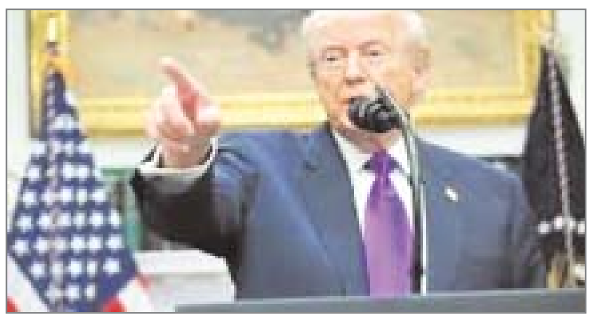

वॉशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने पाकिस्तानी पीएम और सेना प्रमुख की जमकर तारीफ की और कहा कि इस संघर्ष में मैं हस्तक्षेप करूंगा, लेकिन पाकिस्तान इस समय बहुत अच्छा कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका इस मामले में दखल देने के लिए तैयार है। हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि उनके पाकिस्तान के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं।

मैं हस्तक्षेप करूंगा, लेकिन... : ट्रंप ने कहा, मैं हस्तक्षेप करूंगा, लेकिन मेरे पाकिस्तान के साथ बहुत अच्छे रिश्ते हैं। वहां के प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख दोनों ही शानदार नेता हैं। मैं उन दोनों का बहुत सम्मान करता हूं। पाकिस्तान इस समय बहुत अच्छा कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान को क्षेत्रीय राजनीति के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर तनाव : बता दें कि हाल के दिनों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर तनाव बढ़ा है। दोनों देशों के बीच सीमावर्ती इलाकों में झड़पों की खबरें सामने आई हैं। ऐसे में अमेरिका की भूमिका को लेकर सवाल उठ भी रहे थे। ट्रंप के इस बयान से संकेत मिलता है कि अमेरिका स्थिति पर नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर मध्यस्थता कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में पाकिस्तान के नेतृत्व की तारीफ करते हुए यह भी कहा कि वहां की सरकार और सेना के साथ उनका अच्छा तालमेल है। उन्होंने पाकिस्तान की आर्थिक और राजनीतिक स्थिति को लेकर भी सकारात्मक टिप्पणी की। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप का यह बयान एक संतुलित संदेश है। एक तरफ उन्होंने हस्तक्षेप की संभावना जताई, तो दूसरी तरफ पाकिस्तान के साथ अपने मजबूत संबंधों को भी उजागर किया। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि अमेरिका इस क्षेत्रीय विवाद में कितनी सक्रिय भूमिका निभाता है।

चिंताजनक: अंटार्कटिका में अब तक का तेज ग्लेशियर पतन

60 दिनों में आठ किमी पीछे हटा; आधी बर्फ ढही-बढ़ रहा खतरा

लंदन, एजेंसी। अंटार्कटिका के हेक्टोरिया ग्लेशियर में 2023 में मात्र 60 दिनों में 8 किलोमीटर की अभूतपूर्व गिरावट और आधी बर्फ का पिघलना वैज्ञानिकों के लिए चिंता का विषय है। यह घटना जलवायु परिवर्तन के गंभीर प्रभावों और वैश्विक समुद्र स्तर में संभावित वृद्धि की ओर इशारा करती है। अंटार्कटिका के ईस्टर्न पेनिन्सुला में स्थित हेक्टोरिया ग्लेशियर ने वैज्ञानिकों को चौंका दिया है। वर्ष 2023 में मात्र दो महीनों के भीतर यह ग्लेशियर करीब 8 किलोमीटर पीछे हट गया और इसकी लगभग आधी बर्फ टूटकर समुद्र में समा गई। यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर के नेतृत्व में हुए और जर्नल नेचर जियोसाइंस में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार इस अभूतपूर्व पतन के पीछे समुद्र के नीचे मौजूद समतल बेडरॉक की भूमिका निर्णायक रही, जिसने बर्फ को अचानक तैरने और नीचे से दरकने की स्थिति पैदा कर दी। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि इसी तरह की परिस्थितियां बड़े ग्लेशियरों के नीचे पाई गई तो वैश्विक समुद्र स्तर में अपेक्षा से कहीं तज वृद्धि हो सकती है। आधुनिक समय में दर्ज सबसे तेज ग्लेशियर रिट्रीट की घटनाओं में शामिल इस मामले में हेक्टोरिया ग्लेशियर ने केवल 60 दिनों में लगभग 8 किलोमीटर बर्फ खो दी। अंटार्कटिका के मानकों के अनुसार यह ग्लेशियर अपेक्षाकृत छोटा है और इसका क्षेत्रफल लगभग 115 वर्ग मील है, जो अमेरिकी शहर फिलाडेल्फिया के आकार के बराबर है। फिर भी वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि यदि इससे कहीं बड़े ग्लेशियरों में इसी तरह की प्रक्रिया सक्रिय हुई तो इसके वैश्विक समुद्र स्तर पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं। इस शोध का नेतृत्व यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर की शोधकर्ता नाओमी ओचवाट ने किया, जो कोऑपरेटिव इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन एनवायरमेंटल साइंसेज (सीआईआरईएस) की पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्चर हैं। भूवैज्ञानिक साक्ष्य बताते हैं कि 15,000 से 19,000 वर्ष पहले भी ऐसे समतल क्षेत्रों पर स्थित ग्लेशियर असाधारण गति से पीछे हटे थे, कभी-कभी सैकड़ों मीटर प्रतिदिन। जब टाइडवॉटर ग्लेशियर पतला होता है, तो वह समुद्र तल से उठकर पानी की सतह पर तैरने लगता है।

दुर्लभ कैल्विंग प्रक्रिया और श्रृंखलाबद्ध टूटन : समतल बेडरॉक के कारण ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा लगभग एक साथ जमीन से उठ सका। एक बार तैरने के बाद बर्फ सीधे समुद्री ताकतों के संपर्क में आ गई।

वर्चुअल इंडस्ट्री विजिट के जरिए उद्यमिता की प्रेरणा

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के इन्क्यूबेशन सेंटर में विशेष कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर में उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन, भोपाल द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार फरवरी माह के चतुर्थ सप्ताह का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम 'वर्चुअल इंडस्ट्री विजिट' विषय पर केंद्रित रहा कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना विकसित करना, स्टार्टअप की संभावनाओं से अवगत कराना तथा औद्योगिक प्रक्रियाओं की व्यावहारिक समझ प्रदान करना था कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह, प्रोफेसर राकेश कुमार प्रजापति (नोडल अधिकारी, इन्क्यूबेशन सेंटर), डॉ. गुलाम मोहिउद्दीन (सहायक नोडल अधिकारी), डॉ. गंगा बैरागी (सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र) सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने विद्यार्थियों से कहा कि वर्चुअल इंडस्ट्री विजिट से प्राप्त अनुभवों को व्यवहार में लाकर उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ें तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को वर्चुअल भ्रमण कराया गया। इस दौरान स्टेनलेस स्टील निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया-कच्चे माल की प्रोसेसिंग से लेकर फिनिशिंग एवं पैकेजिंग तक-का विस्तृत अवलोकन कराया गया विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण एवं उत्पादन प्रबंधन की बारीकियों को समझा और औद्योगिक कार्यप्रणाली का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। इसके पश्चात 'पेपर प्लेट फैक्ट्री' का वर्चुअल भ्रमण कराया गया, जिसमें एक साधारण कागज से डिस्पोजेबल पेपर प्लेट बनने की पूरी प्रक्रिया-कटिंग, मोल्डिंग, प्रेसिंग और पैकेजिंग-को विस्तार से समझाया गया।

कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में उत्साहपूर्वक मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद एवं विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' का भव्य आयोजन किया गया कार्यशाला के समन्वयक डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह दिवस महान वैज्ञानिक सी. वी. रमन की ऐतिहासिक खोज 'रमन प्रभाव' की स्मृति में मनाया जाता है, जिसने भारतीय विज्ञान को वैश्विक पहचान दिलाई। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन से हुआ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने अपने स्वागत उद्बोधन में विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने पर बल दिया प्रथम दिवस विज्ञान प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन, पेंटिंग प्रतियोगिता एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने रचनात्मक एवं कार्यशील वैज्ञानिक मॉडलों के माध्यम से विज्ञान की अवधारणाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया द्वितीय दिवस मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. अनिल कुमार तिवारी ने एआई एवं नवाचार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जिज्ञासु एवं तार्किक बनने की प्रेरणा दी सह वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार ही आत्मनिर्भर और विकसित भारत का आधार हैं मॉडल निर्माण प्रतियोगिता में गगन द्विवेदी ने प्रथम, काजल सिंह ने द्वितीय तथा सीमा गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया पोस्टर निर्माण में खुशी मिश्रा प्रथम, खुशबू विश्वकर्मा द्वितीय और नेहा वैश्य तृतीय रहीं निबंध प्रतियोगिता में वैष्णवी मिश्रा ने प्रथम, मीनाक्षी तिवारी ने द्वितीय तथा आशीष कुमार यादव ने तृतीय स्थान अर्जित किया।

7 करोड़ का प्रोजेक्ट 12 करोड़ का हुआ,अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई के संकेत, अधिकारियों को नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा में शुक्रवार को सीधी जिले से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए सीधी विधायक रीती पाठक ने शहर और जिले से संबंधित तीन सवाल पूछे जिन पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जवाब दिए और कार्रवाई की जानकारी दी विधायक रीती पाठक का पहला सवाल शहर के पुराने सोनांचल बस स्टैंड में प्रस्तावित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण में हो रही देरी और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई से संबंधित था। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि इस मामले को गंभीरता से लिया गया है तत्कालीन सीएमओ मिनी अग्रवाल इंजीनियर बी.के. तिवारी और इंजीनियर हरिशंकर मिश्रा को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं संबंधित आर्किटेक्ट को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है सरकार ने इस परियोजना का बजट 7 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 12 करोड़ रुपये कर दिया है ताकि निर्माण कार्य तेजी से और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा हो सके रीती पाठक ने दूसरा प्रश्न जिले में बिना रेरा पंजीयन के विकसित हो रही अवैध कॉलोनियों के संबंध में उठाया उन्होंने बताया कि इस विषय में नगर पालिका से जानकारी मांगी गई थी लेकिन अब तक कार्रवाई का ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया गया है मंत्री ने जवाब में कहा कि अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी है कलेक्टर स्वरोचिस सोमवंशी को इस संबंध में जल्द कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं सरकार अवैध प्लाटिंग पर निगरानी और नियंत्रण मजबूत करने के लिए एक सख्त कानून लाने पर भी विचार कर रही है विधायक रीती पाठक का तीसरा सवाल शहर में सीवरेज लाइन डलवाने की मांग से जुड़ा था उन्होंने विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया। मंत्री ने स्पष्ट किया कि जिन शहरों की आबादी एक लाख से कम है वहां सीवरेज लाइन डालने का प्रावधान नहीं है हालांकि यदि नालों या जल निकासी से संबंधित कोई समस्या है तो उनकी मरम्मत और सुधार कार्य कराया जाएगा जिससे नागरिकों को राहत मिल सके।

निगाही जीएम ऑफिस में पेट्रोल लेकर पहुंचा युवक, नसीएल की ठेका कंपनी पर प्रताड़ना का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के निगाही क्षेत्र में एक युवक ने एनसीएल की ठेका कंपनी क्लॉउटेक से प्रताड़ित होने का आरोप लगाते हुए निगाही जीएम ऑफिस के सामने आत्महत्या की धमकी दी युवक की पहचान विनोद साकेत के रूप में हुई है जानकारी के अनुसार, विनोद साकेत ने जीएम ऑफिस जाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया था इसमें उसने कंपनी प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए युवक का कहना था कि उसे पिछले चार महीने से जॉइनिंग लेटर के नाम पर लगातार घुमाया जा रहा है और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है इसके बाद विनोद निगाही जीएम ऑफिस के मुख्य गेट पर पहुंचा। वहां उसने एक हाथ में पेट्रोल लेकर आत्महत्या करने की धमकी दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे समझाने का प्रयास किया और पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को समझाने में जुट गई गौरतलब है कि इससे पहले भी इसी ठेका कंपनी से प्रताड़ित होने का आरोप लगाते हुए विजय पनिका नामक युवक टॉवर पर चढ़कर आत्महत्या की चेतावनी दे चुका है।

फंदे पर मिला महिला का शव,परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, कमरे से शराब की बोतलें बरामद

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। शनिवार सुबह एक महिला का शव फंदे पर लटका मिला है मामला नवानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एनसीएल निगाही कॉलोनी के एमक्यू-433 क्वार्टर का है। मृतका की पहचान दसौती निवासी फूलमती बसौर के रूप में हुई है घटना की जानकारी मिलते ही कॉलोनी में भीड़ जुट गई परिजनों ने इसे हत्या बताते हुए हंगामा किया और मामले की गहन जांच की मांग की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है पुलिस के अनुसार संबंधित क्वार्टर आंध्रप्रदेश निवासी ठेकेदार संदीप को आवंटित था प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक शुक्रवार रात संदीप और फूलमती एक कमरे में पार्टी कर रहे थे इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया विवाद के बाद फूलमती कमरे से बाहर निकल गई और बाहर से कुंडी लगाकर संदीप को अंदर बंद कर दिया इसके बाद वह दूसरे कमरे में चली गई शराब के नशे में संदीप उसी कमरे में सो गया शनिवार सुबह जब संदीप की नींद खुली तो उसने खुद को कमरे में बंद पाया उसने पड़ोसियों को फोन कर मदद मांगी दरवाजा खुलने के बाद जब वह दूसरे कमरे में पहुंचा तो फूलमती का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला संदीप ने तत्काल पुलिस को सूचना दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेजा मामले में मर्ग कायम कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि फूलमती की हत्या कर उसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने क्वार्टर आवंटन प्रक्रिया और बाहरी लोगों के आवागमन पर भी सवाल उठाए हैं पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर ही होगा इस घटना के बाद एनसीएल कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

सवा लाख की 251 शीशी अवैध कफ सिरप जब्त, तस्कर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेमरिया थाना इलाके में शनिवार को पुलिस ने एक शख्स को नशीली कफ सिरप के साथ पकड़ा है पुलिस को खबर मिली थी कि बढ़ौरा बनिया डोल गांव का रहने वाला जगदीश उर्फ बेबी भुजवा नशीली सिरप बेचने का काम कर रहा है पुलिस जब जगदीश के खेत पर पहुंची तो उसने बताया कि उसने नशीली सिरप की बोतलें मेड़ पर झाड़ियों और जमीन के नीचे गाड़कर छिपा रखी थीं पुलिस ने वहां से कुल 251 शीशी नशीली सिरप बरामद की ह ैगाड़ी और मोबाइल भी जब्त पकड़ी गई सिरप की कीमत करीब 1 लाख 25 हजार रुपए बताई जा रही है। सिरप के साथ ही पुलिस ने उसकी मोटरसाइकिल और मोबाइल भी अपने कब्जे में ले लिया है पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया, प्रकोष्ठ के तत्वावधान में विविध शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 28 फरवरी 2026 को भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. उमेश कुमार विश्वकर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की विषय-वस्तु पर प्रकाश डाला। भौतिक एवं कंप्यूटर विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार त्रिपाठी ने विज्ञान को व्यापक रूप से समझने की विधियों तथा उसके व्यावहारिक जीवन में महत्व पर विस्तार से चर्चा की गणित विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद प्रजापति ने समाज में गणित की अनिवार्यता पर बल देते हुए कहा कि गणित के बिना दैनिक जीवन अत्यंत कठिन हो जाएगा प्राणीशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अरुणा ठाकुर ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की महिला थीम पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाएं आधी आबादी का नेतृत्व करती हैं अत विज्ञान के क्षेत्र में उनकी भागीदारी और सशक्तिकरण अत्यंत आवश्यक है वनस्पतिशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. आई. पी. प्रजापति ने वनों के संरक्षण और वन्य प्राणियों की सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के बिना मानव जीवन दुष्कर हो जाएगा भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. के. एस. नेताम ने विद्यार्थियों को कुरीतियों से दूर रहकर वैज्ञानिक सोच अपनाने की प्रेरणा दी इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता, मॉडल प्रेजेंटेशन एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने अपने मार्गदर्शन में कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है जिससे वे अपने जीवन को अधिक तार्किक, प्रगतिशील और सफल बना सकें कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में 28 फरवरी 2026 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस उत्साह एवं वैज्ञानिक चेतना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन से हुई संयोजक प्रो. आकांक्षा खादीकर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ.पी. नामदेव ने कहा कि विज्ञान हमारे जीवन का अभिन्न अंग है तथा राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है डॉ. प्रीति केसरवानी ने बताया कि यह दिवस महान वैज्ञानिक सी. वी. रमन द्वारा वर्ष 1928 में की गई ऐतिहासिक खोज रमन प्रभाव की स्मृति में मनाया जाता है उन्होंने छात्राओं से वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने एवं नवाचार की दिशा में सक्रिय होने का आह्वान किया डॉ. देवेन्द्र कुमार सोनी ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज वही राष्ट्र प्रगति करेगा जो अनुसंधान एवं नवाचार को प्राथमिकता देगा कार्यक्रम के अंतर्गत रंगोली, पोस्टर निर्माण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया कार्यक्रम का संचालन डॉ. विद्यासागर चौधरी द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. बालेंद्र पटेल ने किया इस अवसर पर डॉ. राजेश कुमार साहू, डॉ. नागेंद्र सिंह, डॉ. दीप्ती सिंह, डॉ. संदीप चौरसिया, डॉ. प्रीति सतनामी, प्रो. श्रीकांत चौरसिया, प्रो. प्राची सिंह सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं।

एनएसएस विशेष शिविर का प्राचार्य द्वारा निरीक्षण, वौद्धिक सत्र में किया शिक्षकीय अनुभव साझा।

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय, दिव्यगवां की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम पूर्वा कल्याणपुर तहसील जवा।जिला रीवा में संचालित सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार यादव शिविर स्थल पर पहुँचे एवं चल रही गतिविधियों की समीक्षा की प्राचार्य डॉ. यादव ने स्वयंसेवकों द्वारा संचालित स्वच्छता अभियान, जनजागरण एवं ग्राम संपर्क कार्यक्रमों का अवलोकन किया उन्होंने स्वयंसेवकों से संवाद करते हुए उनके अनुभवों की जानकारी ली तथा उनके कार्यों की सराहना की उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करती है आयोजित वौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में लक्ष्मण सिंहउपस्थित रहे उन्होंने अपने दीर्घ शिक्षकीय जीवन के अनेक प्रेरक अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि एक शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं होता, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों के विकास एवं सामाजिक चेतना जागृत।

श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में विज्ञान दिवस का भव्य आयोजन

प्रश्नोत्तरी, भाषण, विज्ञान प्रदर्शनी और ओलंपियाड सम्मान से गूंजा परिसर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, चुरहट में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस बड़े ही उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महान वैज्ञानिक सी. वी. रमन के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक एस.के. तिवारी, रुपेश चौधरी, प्रवेश जी, सुजाता, हरीश गुप्ता सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे प्रात:कालीन सभा में विज्ञान विषय पर आधारित रोचक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी वैज्ञानिक समझ का परिचय दिया कक्षा 6वीं की छात्रा राधिका पांडेय एवं कक्षा 9वीं के छात्र रितिक जायसवाल ने विज्ञान के महत्व पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए, जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम के दौरान नवंबर 2025 में आयोजित विज्ञान ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं मॉडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस ओलंपियाड का मार्गदर्शन सुजाता (टीजीटी विज्ञान) द्वारा किया गया था स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में अन्विता पांडेय, नवोदिता, विवेक शुक्ला एवं श्रेया तिवारी शामिल रहे विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त किया विज्ञान प्रदर्शनी ने आकर्षित किया सभी का ध्यान कनिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन प्राचार्य द्वारा फीता काटकर किया गया प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विविध वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत किए जो अत्यंत सराहनीय रहे प्रदर्शनी का मार्गदर्शन सुजाता (टीजीटी विज्ञान) द्वारा किया गया, जबकि मूल्यांकन आर.पी. पटेल, सुलभा रहाटे एवं हरीश गुप्ता द्वारा किया गया। निर्णायकों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की वरिष्ठ शिक्षक एस.के. तिवारी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए 'रमन इफेक्ट' की विस्तृत जानकारी दी तथा विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

आफत से राहत: ट्रायल कोर्ट के फैसले से आप को प्राणवायु

संपादकीय

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट ने शराब नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को आरोप मुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि यह फैसला सीबीआई की तरफ से दायर मामले में आया है। अदालत ने सीबीआई की जांच में खामियों को उजागर करते हुए कहा कि आरोप गवाह या ठोस सबूतों पर आधारित नहीं हैं। अदालत का तर्क था कि चार्जशीट में उल्लेखित दावे तार्किक आधार नहीं रखते। उल्लेखनीय है कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली सरकार ने एक नई आबकारी नीति साल 2021 में लागू की थी। जिसके अंतर्गत शराब कारोबार निजी क्षेत्र को देने का निर्णय लिया गया था। तत्कालीन सरकार ने दलील दी थी कि नई नीति राज्य के राजस्व में आशातीत वृद्धि करेगी। बहरहाल, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और उनके डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया फिलहाल नैतिक रूप से खुद को बेहतर स्थिति में होने का दावा कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रायल कोर्ट ने सीबीआई द्वारा दर्ज दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में केजरीवाल तथा 21 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया है। निश्चय ही संकट से जूझ रही आम आदमी पार्टी के लिये यह फैसला प्राणवायु जैसा साबित हो सकता है। दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जांच एजेंसी का मामला न्यायिक जांच की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। कोर्ट का कहना था कि अटकलों व अनुमानों को कानूनी रूप से मान्य सबूतों के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। बहरहाल, इस फैसले के खिलाफ सीबीआई ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर कर दी है। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट का यह फैसला केजरीवाल व उनकी टीम के लिये आधी लड़ाई जीतने जैसा है। जिससे वे खुद को आम आदमी पार्टी के कोर वोटरों को अपने पाक-साफ होने का विश्वास दिलाने का प्रयास कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस प्रकरण को अपना मुख्य मुद्दा बनाकर आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर तीखे हमले बोले थे। पार्टी ने दिल्ली के मतदाताओं को यह समझाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी कि केजरीवाल सरकार का भ्रष्टाचार विरोधी अभियान सिर्फ एक राजनीतिक प्रपंच है। बहरहाल, इन आरोपों के बीच स्वच्छ शासन का वादा करते हुए भाजपा ने 26 वर्ष के लंबे अंतराल पर दिल्ली की सत्ता में वापसी की थी, जबकि आप दूसरे स्थान पर रही थी। दिल्ली विधानसभा में मिली शिकस्त के बाद ही आप के शीर्ष नेतृत्व ने अपना पूरा ध्यान पंजाब पर लगाया था। आज पंजाब ही ऐसा राज्य है जहां आम आदमी पार्टी की सरकार बची है।

समानता (रंग,जाति और धर्म से परे) का संकल्प: शून्य भेदभाव की ओर बढ़ते कदम।

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 1 मार्च को शून्य भेदभाव दिवस (जीरो डिस्क्रिमीनेशन डे) मनाया जाता है। वास्तव में, इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य समाज में समानता(कानून और व्यवहार दोनों स्तरों पर) आपसी सम्मान तथा भेदभाव-मुक्त वातावरण को बढ़ावा देना है। सरल शब्दों में कहें तो इसका लक्ष्य भेदभावपूर्ण कानूनों और सामाजिक धारणाओं को समाप्त करना है। प्रारंभ में यह दिवस एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोगों के विरुद्ध होने वाले भेदभाव पर केंद्रित था, परंतु समय के साथ यह रंग, धर्म, शारीरिक बनावट, लैंगिक पहचान और अन्य सभी प्रकार के भेदभावों के विरुद्ध एक वैश्विक आंदोलन का रूप ले चुका है। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र(यूएन) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा सक्रिय रूप से मनाया जाता है।

यहां पर यह उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरुआत यूएन-एड्स द्वारा की गई थी। यूएन-एड्स, अर्थात् जॉइंट यूनाइटेड नेशंस प्रोग्राम ऑन एचआईवी/एड्स, संयुक्त राष्ट्र का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसकी स्थापना वर्ष 1996 में एचआईवी/एड्स महामारी से निपटने के लिए की गई थी। पाठकों को बताता चलूं कि इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है। यह संगठन विश्वभर में एचआईवी संक्रमण की रोकथाम, संक्रमित लोगों को उपचार और देखभाल उपलब्ध कराने तथा इस रोग से जुड़े भेदभाव और सामाजिक कलंक को समाप्त करने के लिए कार्य करता है। साथ ही, यह विभिन्न देशों की सरकारों को नीतियाँ बनाने, जागरूकता अभियान चलाने और वर्ष 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने के वैश्विक लक्ष्य की प्राप्ति में सहयोग प्रदान करता है।

यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास पर दृष्टि डालें तो इसकी घोषणा दिसंबर 2013 में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर की गई थी और पहली बार इसे 1 मार्च 2014 को मनाया गया। इसकी पहल यूएन-एड्स के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक मिशेल सिदिबे ने की थी।

प्रत्येक वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। स्पष्ट रूप से कहें तो सभी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए, सभी के अधिकारों की रक्षा करें इसकी वास्तविक और आधिकारिक थीम है, जो विशेष रूप से उन भेदभावपूर्ण कानूनों को हटाने पर बल देती है जो लोगों को उपचार और सम्मान से वंचित करते हैं। दूसरी ओर, पीपल फर्स्ट का नारा मूल रूप से विश्व एड्स दिवस (1 दिसंबर) के अभियान से जुड़ा है। चूँकि दोनों अभियानों का नेतृत्व यूएन-एड्स ही करता है, इसलिए कई बार सोशल मीडिया और इंटरनेट पर इन नारों को एक-दूसरे से भ्रमित कर दिया जाता है। निष्कर्षतः 1 मार्च के शून्य भेदभाव दिवस की आधिकारिक थीम अधिकारों और स्वास्थ्य की रक्षा पर केंद्रित है, जबकि पीपल फर्स्ट एक व्यापक मानवीय दृष्टिकोण का प्रतीक है।

इस दिवस का प्रतीक तितली (बटरफ्लाई) है, जो परिवर्तन और कायाकल्प का संदेश देती है। तितली रूपांतरण (ट्रांसफॉर्मेशन) का प्रतीक है। जिस प्रकार एक तितली अपने कोकून से निकलकर पूर्ण रूप से परिवर्तित हो जाती है और अपनी सुंदरता से संसार को आकर्षित करती है, उसी प्रकार समाज को भी भेदभाव की पुरानी मानसिकता त्यागकर समानता और समावेशन की नई सोच अपनानी चाहिए। यह दिवस केवल एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में व्याप्त भय, भ्रांतियों और कलंक को दूर करने का भी संदेश देता है। विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और एलजीबीटीक्यू (लेस्बियन, गे, बाइसेक्शुअल, ट्रांसजेंडर और क्वीयर) समुदाय के अधिकारों की सुरक्षा पर बल दिया जाता है, क्योंकि ये वर्ग अक्सर स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और रोजगार के अवसरों में असमानता का सामना करते हैं। यह दिवस लोगों को यह समझाने का प्रयास करता है कि एचआईवी सामान्य सामाजिक संपर्क से नहीं फैलता तथा समय पर जाँच, परामर्श और उपचार से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। निष्कर्षतः, शून्य भेदभाव दिवस समाज में समानता, सम्मान और मानवाधिकारों की भावना को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह हमें सिखाता है कि जाति, लिंग, धर्म, भाषा या स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर किसी के साथ भेदभाव करना अमानवीय है।समान अवसर, न्याय और गरिमा प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। तो आइए, हम सब मिलकर ऐसा समाज बनाने का संकल्प लें, जहाँ हर व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर प्राप्त हो।

(युवा साहित्यकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अग्रिम जमानत : कल, आज और कल : एक जनहितकारी शोध

अधिवक्ता डी.सी. सागर
(पूर्व विशेष पुलिस महानिदेशक, भारतीय पुलिस सेवा, पुलिस वीरता पदक के प्रथम बार से सम्मानित)

भारत का कानूनी परिदृश्य स्वतंत्रता के बाद से अपने सबसे महत्वपूर्ण बदलावों के दौर से गुजर रहा है। जैसे-जैसे हम औपनिवेशिक युग के ढांचे से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की ओर बढ़ रहे हैं, अग्रिम जमानत की अवधारणा हमारे अतीत के संघर्षों और भविष्य की डिजिटल न्याय प्रणाली के बीच एक सेतु के रूप में खड़ी है। एक पुलिस अधिकारी के रूप में अग्रिम मोर्चे पर सेवा देने और अब बार का हिस्सा होने के नाते, मैं अग्रिम जमानत को केवल एक प्रक्रियात्मक माध्यम नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण संवैधानिक ढाल मानता हूं, जो आपराधिक न्याय तंत्र को उत्पीड़न का उपकरण बनने से रोकती है।

बीता हुआ कल: स्वतंत्रता की ऐतिहासिक नींव मनमाने ढंग से हिरासत में लिए जाने के खिलाफ स्वतंत्रता की खोज उतनी ही पुरानी है जितनी कि सभ्यता। प्राचीन भारत में, कौटिल्य के अर्थशास्त्र ने जमानत पर रिहाई की अवधारणा को मान्यता दी थी, यह स्वीकार करते हुए कि राज्य की हिरासत में लेने की शक्ति सामाजिक गारंटी द्वारा नियंत्रित होनी चाहिए। कौटिल्य ने यह कहा था कि किसी भी व्यक्ति को तब तक गिरफ्तार नहीं किया जा सकता जब तक कि उसके खिलाफ पर्याप्त प्रमाण नहीं हो। इस दृष्टिकोण से, भारतीय परंपराओं में ही नागरिकों की स्वतंत्रता का बहुत सम्मान था। इसी तरह, इंग्लैंड में 1215 के मैग्ना कार्टा ने बंदी प्रत्यक्षीकरण के सिद्धांत की नींव रखी, यह सुनिश्चित करते हुए कि किसी भी स्वतंत्र व्यक्ति को कानून के उचित पालन के बिना पकड़ा या कैद नहीं किया जाएगा। यह सिद्धांत बाद में आधुनिक कानूनी व्यवस्थाओं में व्याप्त हुआ, जिससे व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा की जा सके।

ब्रिटिश शासन के तहत हालांकि दंड प्रक्रिया संहिता1898 लागू हुई, जो उस समय औपनिवेशिक नियंत्रण को अधिक सशक्त करने का एक प्रयास था। इसमें जमानत का प्रावधान था, लेकिन अग्रिम जमानत का कहीं उल्लेख नहीं था। ब्रिटिश राज के दौरान गिरफ्तारी का उपयोग अक्सर राजनीतिक उत्पीड़न और व्यक्तिगत प्रतिशोध के उपकरण के रूप में किया जाता था। गिरफ्तारी का कलंक जो किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को तब भी बर्बाद कर सकता है जब वह बाद में बरी हो जाए अक्सर शिकायतकर्ता का प्राथमिक लक्ष्य होता था। ऐसे में अग्रिम जमानत की अवधारणा की आवश्यकता महसूस होती थी, ताकि गिरफ्तारी का दुरुपयोग रोका जा सके।

1973 में बदलाव की लहर: CrPC की धारा 1973 में भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता में एक बड़ा बदलाव आया। विधि आयोग की 41वीं रिपोर्ट के आधार पर, गिरफ्तारी की आशंका में अग्रिम जमानत की प्रक्रिया का प्रारंभ हुआ। यह कदम यह सुनिश्चित करने के लिए था कि पुलिस अपनी शक्तियों का दुरुपयोग न करें और निर्दोष व्यक्ति को बिना किसी ठोस आधार के जेल में न डाला जाए। इस बदलाव के परिणामस्वरूप, CrPC की धारा 438 अस्तित्व में आई, जो यह अधिकार प्रदान करती है कि किसी व्यक्ति को उसके खिलाफ आरोप तय होने से पहले जमानत मिल सकती है। इस प्रावधान ने भारतीय न्याय प्रणाली में जमानत की नई धाराओं को खोला, जिसमें अदालतों को यह विवेकाधिकार था कि वह बिना गिरफ्तारी के आरोपी को जमानत दे सकें। यह धारा न केवल नागरिकों को आत्मनिर्णय का अधिकार देती थी, बल्कि उन्हें पुलिस उत्पीड़न से भी बचाती थी।

आज: समकालीन कानूनी ढांचा और BNSS 2023 आज हम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के लागू होने के साथ, अग्रिम जमानत का वैधानिक स्थान CrPC की धारा 438 से बदलकर BNSS की धारा 482 हो गया है। हालांकि नाम बदल गया है, लेकिन प्रावधान की आत्मा वही है यह उच्च न्यायपालिका में निहित एक विवेकाधीन शक्ति है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कानून की प्रक्रिया ही प्रताड़ना की प्रक्रिया न बन जाए। BNSS, 2023 ने अग्रिम जमानत की प्रक्रिया को अधिक सुसंगत और पारदर्शी बनाया है, जिससे अदालतों को ज़्यादा शक्तियां मिली हैं।

CrPC की धारा 438 और BNSS की धारा 482 के बीच सबसे बड़ा अंतर यह है कि वर्तमान में जमानत देने की प्रक्रिया अधिक न्यायिक विवेकाधिकार पर आधारित है। अब न्यायालय को यह सुनिश्चित करना होता है कि अग्रिम जमानत के फैसले से जांच और न्यायिक प्रक्रिया में कोई रुकावट नहीं आए। यदि अदालत को यह लगता है कि आरोपी जांच में सहयोग करेगा और गवाहों को प्रभावित नहीं करेगा, तो उसे अग्रिम जमानत दी जा सकती है।

अग्रिम जमानत के वर्तमान कानूनी ढांचे में दो प्रमुख हितों के बीच संतुलन बनाना अनिवार्य है:

1.व्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार: जो इस बात पर केंद्रित है कि निर्दोष व्यक्ति को किसी प्रकार की तात्कालिक गिरफ्तारी से बचाया जा सके, जो उसके सम्मान और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती है।

2.राज्य का अधिकार: जिसमें यह सुनिश्चित करना कि आरोपी फरार न हो सबूतों के साथ छेड़छाड़ न करे और गवाहों को प्रभावित न करे।

ऐतिहासिक निर्णय: न्यायशास्त्र के स्तंभ भारत में अग्रिम जमानत की ताकत माननीय सर्वोच्च न्यायालय की बुद्धिमत्ता पर टिकी है। चार ऐतिहासिक निर्णय कानून और पुलिस दोनों के लिए मार्गदर्शक का काम करते हैं

1. गुरबख्श सिंह सिब्बिया बनाम पंजाब राज्य (1980): संविधान पीठ ने कहा कि यह शक्ति व्यापक है और इसे तकनीकी बारीकियों में कैद नहीं किया जाना चाहिए। इसे सीधे अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार से जोड़ा गया।

2.सिद्धाराम सटलिंगप्पा म्हात्रे बनाम महाराष्ट्र राज्य (2010): इस फैसले ने जमानत देने के लिए विस्तृत दिशानिर्देश दिए। इसमें कहा गया कि तर्कहीन और अंधाधुंध गिरफ्तारी व्यक्ति की प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान को अपूरणीय क्षति पहुँचाती है।

3.अर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्य (2014): इस फैसले ने स्पष्ट संदेश दिया कि 'गिरफ्तारी अपवाद होनी चाहिए, नियम नहीं।' इसने पुलिस के लिए गिरफ्तारी के कारणों को बताना अनिवार्य कर दिया।

4.सुशीला अग्रवाल बनाम दिल्ली राज्य (2020): संविधान पीठ ने स्पष्ट किया कि अग्रिम जमानत की कोई निश्चित समय सीमा नहीं होती और यह आमतौर पर मुकदमे के अंत तक जारी रहती है।

आने वाला कल: भविष्य की राह और नई चुनौतियां जैसे-जैसे हम भविष्य की ओर बढ़ते हैं, अपराध का स्वरूप बदल रहा है। एक पूर्व पुलिस महानिदेशक के रूप में, मैं डिजिटल युग की चुनौतियों से पूरी तरह अवगत हूं।

1.साइबर अपराध और आर्थिक अपराध की चुनौती:जटिल वित्तीय धोखाधड़ी में अक्सर हिरासत में पूछताछ की बात की जाती है। हालांकि, भविष्य में न्यायालयों को यह देखना होगा कि यदि साक्ष्य डिजिटल हैं और पहले ही जब्त किए जा चुके हैं, तो शारीरिक हिरासत की आवश्यकता कितनी है।

2. सोशल मीडिया की रफ्तार: आज के युग में प्रतिष्ठा सेकंडों में धूमिल हो जाती है। गिरफ्तारी की खबर वायरल होने से पहले ही व्यक्ति की सामाजिक स्थिति खत्म हो सकती है। भविष्य में अदालतों को और भी तेजी से कार्य करना होगा।

3. दुरुपयोग को रोकना: स्वतंत्रता की रक्षा के साथ हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अग्रिम जमानत जांच में बाधा डालने का माध्यम न बने। इलेक्ट्रॉनिक मॉनिटरिंग जैसी तकनीक का उपयोग भविष्य में जमानत की शर्तों के पूरक के रूप में किया जा सकता है।

निष्कर्ष: न्याय की धड़कन अग्रिम जमानत केवल BNSS की एक तकनीकी धारा नहीं है यह एक संवैधानिक वादा है। यह एक ऐसे समाज को दर्शाता है जो अपने नागरिकों पर भरोसा करता है और उनकी गरिमा का सम्मान करता है। 1973 से लेकर क्व्हस्स् 2023 तक का सफर यह साबित करता है कि यह प्रक्रिया की अत्याचार के खिलाफ सबसे प्रभावी सुरक्षा है। जैसा कि हम नए कानूनों के युग में प्रवेश कर रहे हैं, हमें याद रखना चाहिए कि धाराएं 438 से 482 हो सकती हैं, लेकिन सिद्धांत अडिग रहना चाहिए ***स्वतंत्रता ही न्याय की धड़कन है।***

मेडिकल नशे की बढ़ती प्रवृत्ति: एक छिपता हुआ सामाजिक संकट

संदीप द्विवेदी
संपादक
दैनिक मीडिया ऑडीटर

समाज में नशे की समस्या कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में एक नया और अधिक खतरनाक रूप सामने आया है मेडिकल नशा। यह वह स्थिति है जब उपचार के लिए बनाई गई दवाओं का उपयोग नशा प्राप्त करने के उद्देश्य से किया जाने लगता है। यह प्रवृत्ति विशेष रूप से युवाओं के बीच तेजी से बढ़ रही है और एक गंभीर सामाजिक एवं स्वास्थ्य संकट का रूप लेती जा रही है। मेडिकल नशे में मुख्य रूप से दर्दनाशक दवाइयां कोडीन युक्त कफ सिरप नींद की गोलियां, एंटी एंग्जायटी दवाएं और कुछ मनोचिकित्सकीय औषधियां शामिल हैं।

इन दवाओं का सीमित और चिकित्सकीय उपयोग सुरक्षित हो सकता है, लेकिन जब इन्हें बिना डॉक्टर की सलाह या निर्धारित मात्रा से अधिक लिया जाता है, तो ये शरीर और मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव डालती हैं। शुरुआत अक्सर तनाव, अवसाद, पढ़ाई का दबाव या दोस्तों के प्रभाव से होती है। कई युवा इसे सुरक्षित नशा समझकर प्रयोग करते हैं, क्योंकि यह अवैध पदार्थों की तुलना में आसानी से उपलब्ध होता है। मेडिकल नशे का सबसे बड़ा खतरा इसकी भ्रामक छवि है। चूंकि ये दवाइयां मेडिकल स्टोर पर मिलती हैं, इसलिए लोग इनके दुष्प्रभावों को गंभीरता से नहीं लेते। कई बार बिना पर्ची के दवाओं की बिक्री भी इस समस्या को बढ़ावा देती है।

धीरे धीरे व्यक्ति इन दवाओं का आदी हो जाता है। शरीर में सहनशीलता विकसित होने के कारण समान प्रभाव के लिए अधिक मात्रा की आवश्यकता पड़ती है, जिससे ओवरडोज का खतरा बढ़ जाता है।इसके शारीरिक दुष्प्रभाव अत्यंत गंभीर हो सकते हैं। अत्यधिक सेवन से लीवर और किडनी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, हृदय गति अनियमित हो सकती है, मानसिक संतुलन बिगड़ सकता है और स्मरण शक्ति कमजोर हो सकती है। लंबे समय तक दुरुपयोग अवसाद, चिंता विकार और आत्मघाती प्रवृत्तियों को भी जन्म दे सकता है। कई मामलों में ओवरडोज के कारण मृत्यु तक हो जाती है। सामाजिक स्तर पर भी मेडिकल नशा विनाशकारी सिद्ध हो रहा है। परिवारों में तनाव, आर्थिक कठिनाइयां, पढ़ाई और रोजगार में गिरावट, तथा आपराधिक गतिविधियों में वृद्धि इसके दुष्परिणाम हैं। नशे की लत व्यक्ति को सामाजिक रूप से अलग थलग कर देती है और उसका आत्मविश्वास तथा सम्मान दोनों प्रभावित होते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए बहुआयामी प्रयासों की आवश्यकता है।

सरकार को दवाओं की बिक्री पर सख्त नियंत्रण और निगरानी सुनिश्चित करनी चाहिए। बिना पर्ची दवाएं बेचने वाले मेडिकल स्टोरों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम चलाकर युवाओं को इसके खतरों से अवगत कराना आवश्यक है। अभिभावकों को भी बच्चों के व्यवहार में आए बदलावों पर सतर्क रहना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण है कि नशे को अपराध नहीं, बल्कि स्वास्थ्य समस्या के रूप में देखा जाए। परामर्श, मनोचिकित्सकीय सहायता और पुनर्वास केंद्रों की उपलब्धता बढ़ानी होगी। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो मेडिकल नशा हमारी युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य, भविष्य और समाज की स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

एक नासमझ की नस्ली टिप्पणी से पूर्वोत्तर तक पीड़ा

नई दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में अरुणाचल प्रदेश की तीन लड़कियों के साथ कथित नस्लीय टिप्पणी और अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है। एयर कंडीशनर लगाने को लेकर शुरू हुआ एक मामूली पड़ोसी विवाद देखते ही देखते गंभीर आरोपों में बदल गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है यह कोई पहली बार नहीं है कि पूर्वोत्तर भारत के लोगों के साथ उनकी शारीरिक बनावट व संस्कृति को लेकर कहीं शेष देश में अभद्रता की गई हो। यहां तक कि एक बार तो पूर्वोत्तर के एक मुख्यमंत्री प्रेस वार्ता में यह कहते रो पड़े थे कि उन्हें भारतीय तक नहीं समझा जाता है।

मनोज कुमार अग्रवाल

बीते साल मई में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर को हमारे विविधता के राष्ट्र में सबसे विशिष्ट क्षेत्र बताया था। लेकिन दुखद तथ्य यह है कि कुछ ताकतें इन टिप्पणी को तूल देकर बात का बतंगड़ बना कर पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के दिलों में विष वमन करने के लिए लगी रहती है । हालांकि कई बार इन राज्यों के लोग अक्सर नस्लीय भेदभाव का शिकार होते हैं लेकिन यह राज्य की कानून व्यवस्था से जुड़े मामले होते हैं जिन्हें नस्लीय भेदभाव से जोड़ कर अलगाव की फसल पैदा करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। कुछ समय पूर्व देहरादून में त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के दो महीने से भी कम समय बाद, अब दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाओं को उनके पड़ोसियों ने कुत्सित शब्द धंधेवाली से संबोधित किया और मोमो बेचने को कहा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उन्हें अपने ही देश में, और वह भी देश की राष्ट्रीय राजधानी में बेगाना करार दे दिया गया। विडंबना यह है कि यह अभद्रता किसी झगड़े या आवेश की प्रतिक्रिया नहीं थी बल्कि यह पहचान और जातीयता पर लक्षित हमला था। इस घटनाक्रम के बाद एक व्यक्ति और उसकी पत्नी पर धर्म, जाति व जन्मस्थान आदि के आधार पर कटुता फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा अन्य आरोप भी लगाए गए हैं। निस्संदेह, इस दंपति के आपत्तिजनक व्यवहार ने एक गहरे जख्म को ही उजागर किया है, जो सबका साथ, सबका विकास की अवधारणा को सिरे से खारिज करने वाली सोच है। साल 2014 में नीदो तानिया की हत्या से लेकर 2025 में अंजेल चकमा की हत्या तक, यह दुराग्रहों का सिलसिला साफ नजर आता है। अक्सर आरोप लगाये जाते रहे हैं कि पूर्वोत्तर के छात्रों व श्रमिकों को उनकी शारीरिक बनावट, खान-पान और भाषा के आधार पर निशाना बनाया जाता है। यह विडंबना ही है कि कुछ संकीर्ण लोग भारत की समृद्ध विविधता की विरासत का मर्म नहीं पहचानते हैं। किसी राज्य की भौगोलिक स्थिति, जलवायु व सदियों से चली आ रही संस्कृति हमारे रूप-रंग-भाषा व व्यवहार का निर्धारण करती है। कोस-कोस पर भाषा-पानी बदलने वाले देश की यह विविधता इसकी खूबसूरती भी है। इसके मर्म का सम्मान करना व अंगीकार करना हर भारतीय का दायित्व भी है। पर्वतीय इलाकों का परिवेश व जलवायु व्यक्ति के सरल, सहज, सौम्य व्यवहार व कद-काठी का भी निर्धारण करती है। पूर्वोत्तर समाज में स्त्री प्रधान पारिवारिक व्यवस्था तथा सार्वजनिक जीवन में उसकी महती भूमिका को शेष देश के लोगों द्वारा संशय से देखा जाता है। फलत परस्पर विश्वास की इस सामाजिक व्यवस्था में स्त्री की भूमिका को लेकर नकारात्मक धारणाएं गढ़ ली जाती हैं। यही वजह है कि पूर्वोत्तर के लोगों द्वारा आरोप लगाया जाता कि उनकी महिलाओं को शक की नजर से देखा जाता है और उन पर बिना किसी आधार के अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप तक लगाए जाते हैं। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी क्षेत्रीय पहचान को लेकर किए जाने वाले किसी भेदभाव के प्रति अक्सर चेताया है।

मौजूदा घटना क्रम में अरुणाचल प्रदेश की रहने वाली तीन युवतियां अपने किराए के फ्लैट में एसी लगवा रही थीं। इंस्टॉलेशन के दौरान ड्रिलिंग से उठी धूल-मिट्टी नीचे वाले फ्लैट की ओर गिर गई। नीचे रहने वाली पड़ोसी महिला ने इस पर आपत्ति जताई। शुरुआत में यह सामान्य पड़ोसी विवाद जैसा प्रतीत हो रहा था, लेकिन कुछ ही देर में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। आरोप है कि महिला ने गुस्से में युवतियों के खिलाफ नस्लीय और आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। इसी दौरान किसी ने पूरी घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।वायरल वीडियो में आरोपी महिला को कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए सुना और देखा जा सकता है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कई यूजर्स ने इसे नस्लीय भेदभाव का मामला बताते हुए सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। पूर्वोत्तर भारत के नागरिकों के साथ भेदभाव को लेकर पहले भी बहस होती रही है, और इस घटना ने इस संवेदनशील मुद्दे को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है।घटना के बाद पीड़ित युवतियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। शुरुआती जांच में वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि मामले में अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराएं भी लागू हो सकती हैं। इसके बाद केस में इन प्रावधानों को जोड़ा गयाजांच आगे बढ़ने के साथ पुलिस ने आरोपी महिला, जिसकी पहचान रूबी जैन के रूप में हुई है, को गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने जांच के दौरान एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराएं आरोपी के खिलाफ जोड़ी हैं.पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद पूछताछ जारी है और मामले की जांच एसीपी स्तर के अधिकारी की निगरानी में की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो के अलावा अन्य साक्ष्यों की भी बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाई जा सके।इस मामले में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू समेत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी मामले में प्रतिक्रिया व्यक्त कर दुख जताया है। सब समूचे सभ्य समाज की अवधारणा कुछ इने गिने नासमझ लोगों की टिप्पणी से नहीं आंकी जानी चाहिए हम उत्तर से पूर्वोत्तर दक्षिण से पश्चिम तक एक है एक रहेंगे और भविष्य में ऐसी कोई घटना नहीं होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने वर्चुअल लॉन्च किया, राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान

ऐतिहासिक शुरुआत, 3.23 लाख किशोरियों को मिलेगा नि:शुल्क टीका

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खड़गवां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आज सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध राष्ट्रीय एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का प्रदेश स्तरीय शुभारंभ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। देशव्यापी अभियान की वर्चुअल शुरुआत प्रधानमंत्री ने राजस्थान के अजमेर से की। उन्होंने 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह वैक्सीन महिलाओं को होने वाले सर्वाइकल कैंसर से लगभग 98 प्रतिशत तक सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है प्रधानमंत्री ने बालिकाओं से संवाद करते हुए विकसित भारत 2047 के संकल्प को दोहराया और महिलाओं के स्वास्थ्य को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया जिले में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुई जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रदेश में इस अभियान का शुभारंभ एमसीबी जिले के खड़गवां से किया जा रहा है जिले में 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी लगभग 4,000 किशोरियों को यह टीका लगाया जाएगा राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. बी.आर. भगत ने जानकारी दी कि पूरे छत्तीसगढ़ में 3 लाख 23 हजार किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन नि:शुल्क लगाई जाएगी जो महिलाओं में बढ़ते कैंसर के मामलों की रोकथाम की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

अपने संबोधन में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि खड़गवां विकासखंड के लिए यह गर्व का विषय है कि राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान की प्रदेश स्तरीय शुरुआत यहीं से हो रही है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भविष्य की पीढ़ियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं तथा यह अभियान महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है उन्होंने घोषणा की कि 1 अप्रैल से प्रदेश को 375 नई 108 एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही अब किसी भी मरीज को आर्थिक अभाव के कारण इलाज से वंचित नहीं रहना पड़ेगा, क्योंकि सरकारी या निजी अस्पताल में उपचार हेतु डेढ़ लाख रुपये तक की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

महिला वकील को इंस्टाग्राम पर भेजे अश्लील वीडियो, मोहिनी-सोनी नाम की आईडी से आते हैं मैसेज

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। गोला का मंदिर क्षेत्र में रहने वाली 33 वर्षीय महिला वकील को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अश्लील चैट, पोस्ट और वीडियो भेजकर परेशान किए जाने का मामला सामने आया है पीड़िता की शिकायत पर क्राइम ब्रांच पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है महिला ने पुलिस को बताया कि 7 नवंबर 2025 की शाम करीब 7:45 बजे उसके इंस्टाग्राम अकाउंट पर ‘द्वश्- द्वद्वठ्ठद्व32143’ नाम की आईडी से अश्लील चैट और आपत्तिजनक फोटो भेजे गए। इस पर उसने तत्काल पुलिस की आपात सेवा डायल 112 पर शिकायत की डायल 112 के स्टाफ ने उसे साइबर सेल से संपर्क कराया जहां से आश्वासन दिया गया कि संबंधित आईडी को ट्रेस कर जानकारी दी जाएगी लेकिन आगे कोई सूचना नहीं मिली इसके बाद 15 दिसंबर 2025 को फिर उसी नाम की आईडी से अश्लील चैट और वीडियो भेजे गए। परेशान होकर महिला ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत दी महिला ने बताया कि पुलिस में शिकायत के बाद आरोपी कुछ समय शांत रहा, लेकिन फिर ‘सोनी तोमर’ नाम से नई आईडी बनाकर 30 दिसंबर 2025 और 7 जनवरी 2026 को दोबारा अश्लील फोटो और चैट भेजे। इसके बाद लगातार आपत्तिजनक मैसेज आने लगे। मानसिक रूप से प्रताड़ित महिला ने आखिरकार क्राइम ब्रांच थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। क्राइम ब्रांच थाना पुलिस के अनुसार महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। साइबर एक्सपर्ट दोनों इंस्टाग्राम आईडी की तकनीकी जांच कर यह पता लगाने में जुटे हैं कि इन्हें कहां से संचालित किया जा रहा है और इनके पीछे कौन व्यक्ति है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कृषक उन्नति योजना अंतर्गत 15,852 कृषकों को 64.31 करोड़ की आदान सहायता राशि का विवरण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विकासखंड मुख्यालय–मनेन्द्रगढ़, खड़गवां एवं भरतपुर–में आज कृषक उन्नति योजना अंतर्गत आदान सहायता राशि वितरण समारोह सह किसान सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कृषकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम का आयोजन बिलासपुर जिले में किया गया, जिसका सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी विकासखंड मुख्यालयों में किया गया जिला एमसीबी में भी लाइव प्रसारण के माध्यम से कृषकों ने कार्यक्रम से जुड़कर शासन की किसान हितैषी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जिला एमसीबी में कुल 15,852 कृषकों को ?64,31,69,326.60 (चौंसठ करोड़ इकतीस लाख उनहत्तर हजार तीन सौ छब्बीस रुपये साठ पैसे) की आदान सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई यह सहायता राशि किसानों को बीज, उर्वरक, कीटनाशक एवं अन्य कृषि आदानों की व्यवस्था हेतु महत्वपूर्ण आर्थिक संबल प्रदान करेगी कार्यक्रम के दौरान पात्र कृषकों को आदान सहायता राशि वितरण के प्रमाण पत्र जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रदान किए गए अपने संबोधन में अतिथियों ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय वृद्धि एवं कृषि विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा योजनाओं का लाभ पारदर्शी रूप से सीधे किसानों के खातों में पहुंचाया जा रहा है जिला एमसीबी में आयोजित यह कार्यक्रम किसान कल्याण एवं कृषि उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ किसानों में उत्साह एवं विश्वास का वातावरण दिखाई दिया तथा उन्होंने शासन की इस पहल के प्रति आभार व्यक्त किया मंचासीन अतिथि कार्यक्रम में श्रीमती प्रतिमा यादव (अध्यक्ष, नगर पालिका मनेन्द्रगढ़), नवनीत राणा (अध्यक्ष, नगर पंचायत नई लेदरी), रीमा यादव (अध्यक्ष, नगर पंचायत झगराखंड), जिला पंचायत सदस्य उदित नारायण सिंह एवं बाबू भगत, जनपद सदस्य कविता जायसवाल एवं आनंद सिंह, सरपंचगण चैनपुर, सीरियाखोह, भलौर एवं चौघड़ा, नम्रता डोंगरे (अपर कलेक्टर), लिंगराज सिदार, महेश पैकरा (अनुविभागीय अधिकारी राजस्व), रवि कुमार गुप्ता (नोडल अधिकारी एवं सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी), वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी दीपक कुमार साहू एवं जितेंद्र झा सहित कृषि विभाग के अधिकारी–कर्मचारी एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य शिविर से पहले रैली, रोटरी इंटरनेशनल और सिंधिया मिशन ने निकाली जागरूकता रैली

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में 17 से 24 मार्च तक आयोजित होने वाले मेगा स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने के उद्देश्य से शनिवार को शहर में एक स्वास्थ्य जागरूकता रैली निकाली गई। यह आयोजन रोटरी इंटरनेशनल के सहयोग से संचालित रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन, शिवपुरी और श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन के संयुक्त तत्वाधान में किया जा रहा है आगामी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित मेडिकल कॉलेज परिसर में किया जाएगा इसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम विभिन्न बीमारियों की नि:शुल्क जांच और उपचार उपलब्ध कराएगी साथ–साथ गुना, अशोकनगर और आसपास के जिलों के मरीज भी इस शिविर का लाभ उठा सकेंगे। रैली का शुभारंभ शनिवार दोपहर चार बजे दो बत्ती चौराहे पर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ इसके बाद रैली शहर के प्रमुख मार्गों जैसे सिद्धेश्वर रोड, विष्णु मंदिर, पुराना बस स्टैंड, कोर्ट रोड, अस्पताल चौराहा और अग्रसेन चौक से होती हुई तात्याटोपे पार्क पर समाप्त हुई रैली में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, रोटरी क्लब के पदाधिकारी और नगरवासी शामिल हुए इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे आयोजकों ने बताया कि शिविर में देश के ख्यातिनाम चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे, जिससे जरूरतमंद मरीजों को उच्च स्तरीय उपचार का लाभ नि:शुल्क मिल सकेगा आयोजकों ने नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएं। साथ ही, आसपास के जरूरतमंद लोगों को भी इसकी जानकारी दें।

हाईकोर्ट ने आईटीएटी आदेश पर अपील स्वीकार की, कानूनी प्रश्नों पर 10 मार्च को होगी अंतिम सुनवाई

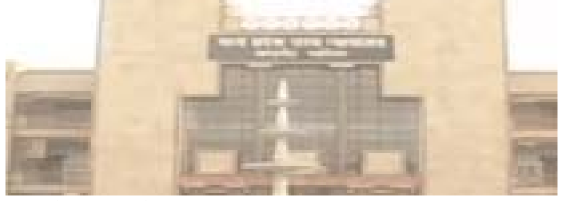

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ (ई–कोर्ट) ने आयकर अपीलीय अधिकरण (आईटीएटी) के आदेश के खिलाफ दायर आयकर अपील को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है न्यायालय ने मामले में छह महत्वपूर्ण विधि प्रश्न तय करते हुए अपील को अंतिम सुनवाई के लिए 10 मार्च को सूचीबद्ध किया है यह मामला अनूप निगम बनाम आयकर अधिकारी 3(1) ग्वालियर से संबंधित है अपीलकर्ता ने आयकर अधिनियम की धारा 260ए के तहत आयकर अपीलीय अधिकरण आगरा पीठ द्वारा 11 फरवरी 2025 को पारित आदेश को चुनौती दी है आईटीएटी ने अपील आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए एक नए मुद्दे पर प्रकरण को पुन मूल्यांकन अधिकारी (एओ) के पास भेज दिया था हाईकोर्ट ने जिन प्रमुख विधिक प्रश्नों पर विचार के लिए अपील स्वीकार की है, उनमें ‘क्या आईटीएटी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर नया मुद्दा खड़ा किया, क्या वर्ष 2011–12 का मामला पुन: खोलना वैधानिक सीमा अवधि के विपरीत है और क्या विभाग की ओर से कोई प्रार्थना न होने के बावजूद इस प्रकार का निर्देश दिया जा सकता था’ शामिल हैं। प्रकरण के अनुसार अनूप निगम ने 3 करोड़ रुपए की रजिस्ट्री कराई थी, जिसकी सूचना आयकर विभाग को प्राप्त हुई।

2 मार्च से बसों की हड़ताल, होली पर थमेंगे बसों के पहिए, हजारों यात्रियों को होगी परेशानी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मप्र में नई परिवहन नीति के विरोध में 2 मार्च से बस ऑपरेटर्स हड़ताल पर जा रहे है जिसके चलते सभी बसों के पहिए थमने की तैयारी है होली के ठीक पहले संभावित हड़ताल से लाखों यात्रियों को परेशानी हो सकती है बस एसोसिएशन भी इस हड़ताल में शामिल होग एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय शिवहरे ने बताया नई परिवहन नीति का प्रदेशभर में बस ऑपरेटर्स विरोध कर रहे है उसमें कई प्रकार की खामियां है ऑपरेटर्स का दावा है कि नई नीति से परमिट शर्ते सख्त होंगी, फीस बढ़ेगी और किराए पर नियंत्रण रहेगा इस समस्या के निदान के लिए बस संचालकों के द्वारा कई बार उचित प्लेटफॉर्म पर अधिकारियों के समक्ष निवेदन किया, लेकिन कोई भी समाधान नहीं निकल सका है इसलिए बस ऑपरेटर्स 2 मार्च से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने की तैयारी कर रहे है हड़ताल से यात्रियों को आगामी दिनों में होने वाली परेशानी की जिम्मेदारी राज्य शासन की होगी।

नशे के ‘सल्तनत’ का अंत! चिरमिरी पुलिस ने ढहाया रसल एक्का का अंतर्राज्यीय ड्रग्स साम्राज्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में मौत का सामान बेचने वाले सबसे बड़े सिंडिकेट का चिरमिरी पुलिस ने अंत कर दिया है। आईजी दीपक झा और एसपी रत्ना सिंह के ‘नशा मुक्त अभियान’ के तहत, पुलिस ने एक ऐसे गिरोह को बेनकाब किया है जिसके तार छत्तीसगढ़ से निकलकर तेलंगाना और झारखंड तक फैले थे इस पूरे नेटवर्क का ‘किंगपिन’ रसल एक्का अब पुलिस की गिरफ्त में है।

रायपुर से हैदराबाद तक पुलिस की दबिश: इस पूरी जांच की शुरुआत 7 अक्टूबर को हुई, जब चिरमिरी पुलिस ने एक पुख्ता सूचना पर शेख अल्ताफ और किशन रजक को दबोचा इनके पास से नशीली इंजेक्शन बरामद हुए पूछताछ में जब शुभम यादव का नाम आया तो पुलिस को समझ आ गया कि यह कोई गली–मोहल्ले का गैंग नहीं बल्कि एक संगठित अपराध है थाना प्रभारी विजय सिंह के नेतृत्व में बनी स्पेशल टीम ने मोबाइल लोकेशन और सीडीआर के आधार पर जाल बिछाया मुख्य आरोपी रसल एक्का को रायपुर से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया जबकि गिरोह के ‘फाइनेंस हैंडलर’ वैंदला वासु को पकड़ने के लिए पुलिस की एक टीम सीधे हैदराबाद के पर्वत नगर (बोराबंदा) जा धमकी।

ज़हर की कमाई और 5 लाख की ‘गोवा ट्रिप’: पुलिस की इन्वेस्टिगेशन स्टोरी में रसल एक्का का किरदार किसी शातिर अपराधी जैसा है रसल केवल ड्रग्स बेचता नहीं था, बल्कि वह इस काली कमाई को पानी की तरह बहाता था हाल ही में रसल अपनी गर्लफ्रेंड के साथ गोवा की सैर पर था जहाँ उसने 5 लाख रुपये महज कुछ दिनों में उड़ा दिए

शातिर ‘मनी ट्रेल’: रसल इतना चालाक था कि वह पुलिस को चकमा देने के लिए कभी अपने बैंक खाते का इस्तेमाल नहीं करता था वह नशे के पैसे सहयोगियों के खातों में डलवाता था रसल के खिलाफ मनेंद्रगढ़, अंबिकापुर और पोड़ी थानों में पहले से ही गंभीर अपराध दर्ज हैं। जांच में खुलासा हुआ कि रसल के गुर्गे गढ़वा (झारखंड) से यात्री बसों में छिपकर नशे की खेप लाते थे वहीं हैदराबाद का वैंदला वासु और सूरजपुर का रजत कुमार इस पूरे खेल के बैकएंड ऑपरेशंस और पैसे के लेनदेन को संभालते थे।

अभी और भी चेहरे बेनकाब होंगे: थाना प्रभारी विजय सिंह ने स्पष्ट किया है कि यह केवल शुरुआत है रसल से पूछताछ में कई नए सुराग मिले हैं आशंका है कि सरगुजा संभाग के कई और ‘सफेदपोश’ लोग इस कारोबार को संरक्षण दे रहे थे जिनकी गिरफ्तारी के लिए साइबर सेल लगातार डेटा खंगाल रही है। इस बड़ी सफलता में थाना प्रभारी विजय सिंह, सउनि नईम खान, प्र आर साइबर पुष्कल सिंह आरक्षक संजय कांत, जितेंद्र ठाकुर, साइबर सेल के राकेश तिवारी और सैनिक प्रमोद साहु की भूमिका बेमिसाल रही पुलिस की इस ‘सर्जिकल स्ट्राइक’ ने नशे के सौदागरों की कमर तोड़ दी है। सभी आरोपियों को न्यायालय के आदेश पर जिला जेल बैकुंठपुर भेज दिया गया है।

20 हजार पौधे उखाड़ फॉरेस्ट जमीन पर कब्जा, लापरवाही बरतने वाले वनकर्मियों पर कार्रवाई की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के बानापुरा रेंज की झाड़बीड़ा बीट में प्लांटेशन की जमीन पर लगे करीब 20 हजार पौधों को उखाड़कर नष्ट कर दिया गया आरोप है कि राजलढ़ाना गांव के करीब 100 ग्रामीणों ने खेती करने के उद्देश्य से लगभग 20 हेक्टेयर वन भूमि पर कब्जा करने की कोशिश की वन विभाग को जब इसकी जानकारी मिली तो राजस्व और पुलिस विभाग की मदद से संयुक्त कार्रवाई की गई करीब 230 वनकर्मी, पुलिस और राजस्व अधिकारी मौके पर पहुंचे और कब्जा हटाया गया। कार्रवाई के दौरान वहां बनाई गई अस्थायी टपरियां हटाई गईं और बड़े गड्ढे खोदे गए ताकि दोबारा खेती नहीं की जा सके। डीएफओ गौरव शर्मा ने बताया कि इस क्षेत्र में वर्ष 2019 में पौधारोपण किया गया था। अतिक्रमणकारियों ने करीब 20 हजार पौधों को नुकसान पहुंचाया है जिससे विभाग को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है अब वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पौधों पर हुए खर्च की वसूली की जाएगी। डीएफओ ने यह भी कहा कि इस मामले में वन विभाग के जिन कर्मचारियों की लापरवाही सामने आएगी उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी सुरक्षा व्यवस्था ठीक से क्यों नहीं की गई, इस संबंध में रेंजर को जांच के निर्देश दिए गए हैं झाड़बीड़ा बीट के कंपार्टमेंट नंबर 159 में राजलढ़ाना और पतलई गांव के कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया था इसे हटाने के लिए वन विभाग को पुलिस और राजस्व विभाग की सहायता लेनी पड़ी। अभियान के दौरान एसडीओ अनिल विश्वकर्मा, नायब तहसीलदार कीर्ति प्रधान, एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान और थाना प्रभारी सुधाकर बरसकर सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

टेंट गोदाम में भीषण आग, 10 फीट ऊंची उठीं लपटें 7 दमकलों ने 4 घंटे में काबू पाया, लोडिंग वाहन-बाइक भी जली 50 लाख का माल

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। नाका चंद्रवदनी इलाके में शुक्रवार–शनिवार दरमियानी रात एक टेंट गोदाम में आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 10 फीट ऊंची लपटें उठने लगीं जो सड़क से दिखाई दे रही थीं। गोदाम के आसपास रहवासी इलाका था इसलिए हड़कंप मच गया 7 दमकलों ने करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 7 बजे आग पर काबू पाया तब तक करीब 50 लाख का माल खाक हो गया था आग लगाने का कारण शॉट सर्किट बताया जा रहा है हालांकि जांच के बाद ही सही कारण पता चलेगा घटना हीरा भूमिया मंदिर के पास स्थित टेंट व्यवसायी अवधेश सिंह यादव के गोदाम की है अवधेश सिंह यादव शादी समारोहों में टेंट व डेकोरेशन का काम करते हैं पास ही स्थित गोदाम से उनका पूरा कारोबार संचालित होता है बताया जा रहा है कि होलिका अष्टक के चलते सहालग (विवाह मुहूर्त) बंद हैं जिससे विभिन्न स्थलों से लाकर टेंट व सजावट का सामान गोदाम में रख दिया गया था इसी दौरान रात करीब 2 से 3 बजे के बीच अचानक गोदाम में आग लग गई जब तक लोगों को जानकारी लगी तब तक आग बेकाबू हो चुकी थी और पूरे क्षेत्र में धुएं फैल गया था आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस, फायर ब्रिगेड और गोदाम मालिक को सूचना दी आग बेकाबू हो चुकी थी और पूरे क्षेत्र में धुएं फैल गया था आग बेकाबू हो चुकी थी और पूरे क्षेत्र में धुएं फैल गया था सात फायर ब्रिगेड ने पाया काबू।

पालकी में बैठाकर निकाली खाटू श्याम की यात्रा, सैकड़ों श्रद्धालु नांचते हुए शामिल हुए

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में शनिवार को खाटू श्याम की पहली पालकी यात्रा निकाली गई इस ऐतिहासिक आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए जिससे पूरे शहर में भक्तिमय माहौल बन गया गुना बायपास स्थित खाटू श्याम मंदिर के पुजारी प्रशांत शर्मा ने बताया कि शहर में बाबा की शोभायात्राएं पहले भी निकल चुकी हैं लेकिन पालकी यात्रा का आयोजन पहली बार हुआ है पालकी यात्रा का शुभारंभ मां राजेश्वरी मंदिर से हुआ यहां विधि–विधान से पूजा–अर्चना के बाद बाबा को सुसज्जित पालकी में विराजमान कर नगर भ्रमण के लिए रवाना किया गया। ढोल–नगाड़ों, भजन–कीर्तन और जयकारों के साथ श्रद्धालु नाचते–गाते हुए यात्रा में शामिल हुए।

छतरपुर में बाइक पर कुत्ते का हमला, दंपति घायल; पत्नी के चेहरे पर आई गंभीर चोट

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के लवकुशनगर थाना क्षेत्र में एक बाइक सवार दंपति पर आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। इस घटना में बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल दंपति की पहचान संतोष बेलदार और उनकी पत्नी पिंकी बेलदार के रूप में हुई है।

शुक्रवार को वे एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाइक से जा रहे थे। रास्ते में अचानक सड़क किनारे से एक आवारा कुत्ता दौड़ता हुआ आया और उनकी चलती बाइक से टकरा गया। कुत्ते के टकराने से संतोष का संतुलन बिगड़ गया और बाइक सड़क पर फिसल गई। इस हादसे में पिंकी बेलदार के चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं, जबकि संतोष बेलदार के हाथ और पैर में चोट लगी है। पिंकी के चेहरे पर गहरी चोट बताई जा रही है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को उठाया और प्राथमिक उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। पिंकी बेलदार की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें आगे के इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उनका उपचार जारी है। स्थानीय निवासियों ने क्षेत्र में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि पहले भी कई लोग कुत्तों के हमलों का शिकार हो चुके हैं, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

एमपी में 2 मार्च से बसों की हड़ताल, होली पर थमेंगे बसों के पहिए

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मप्र में नई परिवहन नीति के विरोध में 2 मार्च से बस ऑपरेटर्स हड़ताल पर जा रहे है। जिसके चलते सभी बसों के पहिए थमने की तैयारी है। होली के ठीक पहले संभावित हड़ताल से लाखों यात्रियों को परेशानी हो सकती है। नर्मदापुरम बस एसोसिएशन भी इस हड़ताल में शामिल होगा। एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय शिवहरे ने बताया नई परिवहन नीति का प्रदेशभर में बस ऑपरेटर्स विरोध कर रहे है। उसमें कई प्रकार की खामियां है। ऑपरेटर्स का दावा है कि नई नीति से परमिट शर्तें सख्त होंगी, फीस बढ़ेगी और किराए पर नियंत्रण रहेगा। इस समस्या के निदान के लिए बस संचालकों के द्वारा कई बार उचित प्लेटफॉर्म पर अधिकारियों के समक्ष निवेदन किया, लेकिन कोई भी समाधान नहीं निकल सका है। इसलिए बस ऑपरेटर्स 2 मार्च से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने की तैयारी कर रहे है। हड़ताल से यात्रियों को आगामी दिनों में होने वाली परेशानी की जिम्मेदारी राज्य शासन की होगी।

यह प्रमुख मांगे है : 24 दिसंबर 2025 को राजपत्र में संशोधन का प्रारूप प्रकाशित किया गया है, उसे वापस/समाप्त किया जाए। 29जनवरी 2026 को राजपत्र में किया गया संशोधन प्रकाशित किया गया है, उसे पूर्ण रूप से समाप्त किया जाए। वर्तमान में जिस व्यवस्था के साथ प्रदेश में बस संचालन किया जा रहा है, उसे यथावत्त रखा जाए।

पंधाना में देर रात जुआ खेलते 9 लोग गिरफ्तार, 3 बाइक और 2 कार समेत 3.79 लाख का सामान जब्त

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले की पंधाना थाना पुलिस ने अवैध जुआ गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से नगदी सहित तीन मोटरसाइकिल और दो कारें जब्त की हैं। कुल जब्त मशरूका की कीमत 3 लाख 79 हजार 465 रुपए आंकी गई है। टीआई दिलीपसिंह देवड़ा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि खापरी गांव के बाहर ईट भट्टे के पास कुछ लोग ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के बाद पुलिस अधीक्षक खंडवा मनोज कुमार राय एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व डीएसपी मुख्यालय के मार्गदर्शन में टीम गठित कर कार्रवाई की गई। पुलिस टीम राहगीर पंचों को साथ लेकर बताए गए स्थान पर पहुंची। ईट भट्टे की आड़ से घेराबंदी कर दबिश दी गई। मौके पर गोल घेरे में बैठकर ताश के पत्तों से जुआ खेलते 9 लोगों को पकड़ा गया। सभी जब्त सामग्री पंचों के समक्ष विधिवत जब्त कर थाने लाई गई। आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट की धारा 13 के तहत अपराध क्रमांक 81/26 दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

ये आरोपी गिरफ्तार : 1. भूपेंद्र यादव (33) निवासी घुघरिया खेड़ी, थाना गोगावा, 2. दिलावर शाह (48) निवासी ग्राम टेमी, 3. कृष्णा सेन (40) निवासी ग्राम बगमार, 4. योगेंद्र राजावत (24) निवासी ग्राम जामली, 5. जितेंद्र पटेल (30) निवासी बगमार, 6. अक्तर खान (38) निवासी पंधाना, 7. सलीम खान (40) निवासी पंधाना, 8. वसीम (36) निवासी सिविल लाइन, खंडवा, 9. अशफाक खान (42) निवासी पंधाना, - मौके से क्या-क्या जब्त हुआ।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष, 5 घायल

मंदसौर में दो पक्षों के बीच लट्ठ-तलवारों से हमला, क्रॉस एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मन्दसौर जिले के अफजलपुर थाना क्षेत्र के गुर्जरबर्डिया गांव में शुक्रवार देर रात जमीन के पुराने विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। एक ही परिवार के दो पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। इस घटना में दोनों पक्षों के कुल पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

लंबे समय से चल रहा था जमीन को लेकर विवाद : जानकारी के अनुसार, सीतामऊ-मन्दसौर रोड पर कैलाश गुर्जर की एक होटल संचालित है। होटल के पास की जमीन को लेकर उनका अपने ही रिश्तेदारों से काफी समय से विवाद चल रहा था। इस जमीन के सीमांकन को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले भी कई बार कहासुनी हो चुकी थी घटना वाले दिन दोपहर में भी दोनों पक्षों के बीच बहस हुई थी। मामला थाने तक पहुंचा, जहां पुलिस ने सीमांकन होने तक शांति बनाए रखने की समझाइश दी थी। हालांकि, रात होते-होते स्थिति फिर बिगड़ गई और विवाद ने उग्र रूप ले लिया।

दोनों पक्षों के लोग घायल : प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, देर रात दोनों पक्ष फिर आमने-सामने आ गए। पहले कहासुनी हुई, फिर गाली-गलौज शुरू हो गई और कुछ ही देर में लाठी-डंडे और धारदार हथियार चलने लगे। झगड़ा इतना बढ़ गया कि आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पहले पक्ष से कैलाश गुर्जर (40) को हाथ और पैर में चोट आई है, जबकि उनके भाई सत्यनारायण गुर्जर (37) के सिर में गंभीर चोट लगी है। दूसरे पक्ष से समनलाल गुर्जर (45) को सिर, हाथ और कमर में चोटें आई हैं। कंवरलाल गुर्जर (60) के हाथ-पैर में चोट आई है, जबकि इंदरलाल गुर्जर (30) के सिर में चोट लगी है। सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। उपचार के लिए रैफर किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

दोनों पक्षों के अलग-अलग आरोप : कैलाश गुर्जर का आरोप है कि विरोधी पक्ष जमीन पर कब्जा करने की नीयत से मौके पर पहुंचा और उन्होंने ही मारपीट शुरू की। उनका कहना है कि दोपहर में भी विरोधी पक्ष ने जमीन पर रखी लकड़ियां हटाने की कोशिश की थी, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई थी। वहीं समनलाल गुर्जर का कहना है कि वे खेत पर कैमरा लगाने गए थे, तभी दूसरे पक्ष के लोगों ने उन पर हमला कर दिया।

पुलिस ने दर्ज की क्रॉस एफआईआर : अफजलपुर थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह कनेश ने बताया कि जमीन को लेकर दोनों पक्षों में पुराना विवाद चल रहा है और दोनों आपस में रिश्तेदार हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस एफआईआर दर्ज कर ली है। पूरे मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में स्थिति सामान्य बताई जा रही है, लेकिन एहतियात के तौर पर पुलिस निगरानी बनाए हुए है।

रतलाम में 1610 लीटर नकली घी पकड़ा, यूपी से लाकर देशी बताकर 310 रुपए लीटर में बेचा जा रहा था

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के ग्लोबस सिटी कॉलोनी में शुक्रवार दोपहर एक मकान में बड़ी मात्रा में नकली घी बरामद किया है। यूपी के मुजफ्फरपुर की दो कंपनियों से नकली घी लाकर रतलाम में देशी घी के नाम पर बाजार में 310 रुपए लीटर में बेचा जा रहा था। प्रशासन व खाद्य विभाग की टीम ने 1610 लीटर घी को जब्ती में लेकर मकान को सील कर दिया है। शिकायत पर नायब तहसीलदार रामचंद्र पांडेय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी शैलेष गुप्ता व अन्य नयागांव टैंकर रोड के पास स्थित ग्लोबस सिटी के एक मकान में दोपहर करीब 3 बजे दबिश दी। मकान में बड़ी मात्रा में यूपी फ्रेश, मदर बेस्ट के नाम से घी के अलग-अलग पैकेट मिले। पैकिंग भी ऐसी थी हर कोई देख कर देशी घी समझे। मकान से महाकाल ट्रेडर्स के नाम से घी का विक्रय शहर की दुकानों पर किया जा रहा था। महाकाल ट्रेडर्स के विक्रांत त्यागी से अधिकारियों ने पूछताछ की।

यूपी से ट्रांसपोर्ट से आने की बात कही : अधिकारियों ने व्यापारी विक्रांत त्यागी से पूछताछ की। तो बताया कि वह यूपी के मुजफ्फपुर घी मंगवाता है। ट्रांसपोर्ट से वहां से भेजा जाता है। 310 रुपए लीटर में वह खरीददता है। जबकि बाजार में सवा तीन सौ रुपए लीटर में बेचने की बात बताई। अधिकारियों के अनुसार कम रेट में देशी घी के नाम से बेचना शंकास्पद है। सभी पैकेट पर देशी घी होने के जानकारी अंकित थी। रेट भी कम लिखे थे। इस कारण अधिकारियों को शंका है कि यह पूरी तरह से नकली घी है।

1610 लीटर घी मिला : अधिकारियों को मौके से घी के बड़े डिब्बो के अलावा 200, 400 ग्राम समेत अलग वजन के पैकेट मिले है। कुल 1610 लीटर घी को खाद्य विभाग ने बरामद कर उसी स्थान पर रख कमरे को सील कर दिया है। अलग-अलग 10 सैंपल लिए है। जो कि जांच के लिए लैब पर भेजे जाएंगे। रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। घी मुजफ्फपुर की दो कंपनियों सिद्धी ट्रेडर्स व मां वेष्णोदेवी टेड्र्स से मंगाया जा रहा था।

सस्ता बेचना मतलब नकली ही है- अधिकारी : जिला खाद्य एवं सुरक्षा अधिकारी शैलेष गुप्ता ने बताया उपभोक्ता द्वारा शिकायत की गई थी। सस्ता घी बेचा जा रहा है। सूचना सही पाई गई। शंका के आधार पर यूपी फ्रेश व मदर बेस्ट घी के सैंपल लिए है। जिसे राज्य खाद्य परीक्षण शाला भोपाल भेजा जा रहा है। रिपोर्ट आने तक संग्रहित घी को जब्ती में ले लिया है। 310 रुपए लीटर में घी बेचा जा रहा है जो शंकास्पद है।

यूपी के वाराणसी से इंदौर जाती बस ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई

BHAIYA
travels.com

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में वाराणसी से इंदौर जा रही एक यात्री बस शनिवार को ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराकर खेत में जा गिरी। इस हादसे में बस चालक घायल हो गया, जबकि बस में सवार करीब 50 अन्य यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। बस चालक को चोटें आई और उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे भोपाल रेफर किया गया है। बस में सवार बाकी सभी यात्री सुरक्षित बाहर निकल गए। घटना की सूचना मिलते ही उदयपुरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी यात्रियों को दूसरी बस से भोपाल के लिए रवाना किया। यह घटना नेशनल हाईवे 45 पर नोनिया बरेली के पास हुई। टक्कर के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली का चालक मौके से फरार हो गया।

नीमच में महिला के बैग से 25 तोला सोना चोरी

मीडिया ऑडीटर, नीमच (निप्र)। नीमच से निंबाहेड़ा के बीच मंदसौर के झारडा गोपालपुरा की एक महिला के साथ लाखों की चोरी हुई। पीड़िता अनीता पति भरत उर्फ बबलू बंजारा राजस्थान के गंगरार स्थित जीना खेड़ा में आयोजित गंगा भोज में शामिल होने जा रही थीं। रास्ते में उनके बैग से करीब 25 तोला सोने के जेवरात और नकदी चोरी हो गई।

एसपी से की मामले की शिकायत : पीड़िता ने शनिवार को नीमच एसपी कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। उन्होंने मूंदड़ा बस के स्टाफ और एक निजी जीप के ड्राइवर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि जब वह पालसोडा से बस में सवार होकर नीमच बस स्टैंड पहुंची, तब उन्होंने फोन पर अपने परिचितों से बैग में रखे जेवरात को लेकर चर्चा की थी। आशंका है कि यह बात बस कंडक्टर और वहां मौजूद अन्य लोगों ने सुन ली थी।

जीप में बैठे लोगों पर 25 तोला सोना चुराने का आरोप : नीमच बस स्टैंड पर मूंदड़ा बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने महिला को एक निजी जीप (क्रमांक ऋछ 09 ष्ट 2101) में बिठा दिया। इस जीप में पहले से ही 4-5 संदिग्ध लोग सवार थे। इन लोगों ने अपना पैर महिला के बैग पर टिका दिया था, जिससे वह बैग को हिला न सकें। पीड़िता को तब शक हुआ जब जीप चालक ने रास्ते में न तो किसी अन्य सवारी को बिठाया और न ही किसी से किराया लिया।

जीप ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की मांग: निंबाहेड़ा बस स्टैंड पहुंचते ही चालक महिला को उतारकर तेजी से जीप लेकर भाग निकला। महिला ने पीछा करने की कोशिश की, लेकिन चालक ने गाड़ी नहीं रोकी। जब महिला ने अपना बैग चेक किया, तो उसमें रखा 25 तोला सोना और 2 हजार रुपए गायब मिले। पीड़िता ने इस मामले की शिकायत राजस्थान के निंबाहेड़ा थाने के साथ-साथ अब नीमच एसपी से भी की है। उन्होंने मांग की है ।

सिवनी मालवा में पुलिस ने बाइक चोर को पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, सिवनी मालवा (निप्र)। सिवनी मालवा की शिवपुर पुलिस ने बाइक चोरी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 90 हजार रुपए कीमत की पल्सर बाइक बरामद की गई है, जो 23-24 फरवरी की रात ग्राम भैंसादेह के एक घर के आंगन से चोरी हुई थी।

पीड़ित की शिकायत पर दर्ज हुआ था मामला : थाना प्रभारी विवेक यादव ने बताया कि 26 फरवरी को राजेंद्र यदुवंशी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी पल्सर मोटरसाइकिल (क्रमांक स्क्का2‚ 6625) 23-24 फरवरी की रात उनके घर के आंगन से चोरी हो गई थी। इस शिकायत के आधार पर शिवपुर थाने में अपराध क्रमांक 44/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मुखबिरों से मिली सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई : पुलिस ने मामले की जांच के लिए अपने सूचना तंत्र और मुखबिरों को सक्रिय किया। 27 फरवरी को पुलिस को जानकारी मिली कि बिसोनी कला बस स्टैंड के पास एक युवक चोरी हुई बाइक जैसी बाइक के साथ घूम रहा है। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ की।

बेचने के लिए ग्राहक ढूढ़ रहा था आरोपी : पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पहचान आनंद उइके, पिता मुकेश उइके, निवासी नंदरवाड़ा, थाना सिवनी मालवा के रूप में बताई। उसने स्वीकार किया कि उसने 23-24 फरवरी की रात भैंसादेह से बाइक चोरी की थी और उसे बेचने के लिए ग्राहक ढूंढ रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 90 हजार रुपए मूल्य की पल्सर मोटरसाइकिल जब्त की। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने कहा है कि मामले में आगे की जांच की जा रही है।

मंदसौर में जमीनी विवाद में तीन लोगों पर हमला

लाठी और धारदार हथियार से किया वार, एक के सिर में आए 8 टांके

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मन्दसौर जिले के निपानिया मेघराज गांव में जमीन से जुड़े पुराने विवाद ने शुक्रवार देर रात हिंसक रूप ले लिया। गांव से बाइक पर सवार होकर खेत पर स्थित मकान की ओर जा रहे दो युवकों को आधा दर्जन लोगों ने रास्ते में रोक लिया और लाठी-धारदार हथियारों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे एक अन्य व्यक्ति को भी हमलावरों ने गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना में कुल तीन लोग घायल हुए हैं, जिनमें एक के सिर में 8 टांके लगे हैं। पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक से खेत जा रहे थे, गांव के पास रोका रास्ता : जानकारी के अनुसार आदित्य ठाकुर (18 वर्ष) और उनके जीजा संजय ठाकुर (28 वर्ष) शुक्रवार रात बाइक से निपानिया मेघराज गांव से अपने खेत पर स्थित मकान की ओर जा रहे थे। गांव के नजदीक ही कुछ लोगों ने उनका रास्ता रोक लिया। बताया जा रहा है कि सोनू, सुगन सिंह, आराम सिंह, हुकम सिंह, भेरू सिंह और राहुल सिंह नामक व्यक्तियों ने उन्हें घेर लिया और लाठी व धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमला अचानक हुआ, जिससे दोनों संभल भी नहीं पाए।

बीच-बचाव करने पहुंचे महेंद्र सिंह भी घायल : घटना के दौरान महेंद्र सिंह सोलंकी मौके पर पहुंचे और झगड़ा शांत कराने की कोशिश की। लेकिन हमलावरों ने उन्हें भी नहीं छोड़ा। महेंद्र सिंह के सिर में गंभीर चोट आई और उन्हें 8 टांके लगाने पड़े। आदित्य ठाकुर के सिर और पैर में चोटें आई हैं, जबकि संजय ठाकुर के सिर, कमर और पैर में गंभीर चोट बताई जा रही है। तीनों घायलों का इलाज कराया गया है।

जमीन का पुराना विवाद बना वजह : प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना की वजह जमीन से जुड़ा पुराना विवाद बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पीड़ित और आरोपी पक्ष एक ही समाज से जुड़े हुए हैं। लंबे समय से चल रहे विवाद ने शुक्रवार रात अचानक हिंसक रूप ले लिया।

पीड़ितों ने की सख्त कार्रवाई की मांग : घायल आदित्य ठाकुर ने बताया कि वे अपने जीजा के साथ खेत पर जा रहे थे, तभी रास्ता रोककर मारपीट की गई और धारदार हथियार से हमला किया गया। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। संजय ठाकुर ने कहा कि वे गांव से अपने साले के साथ खेत पर स्थित घर की ओर जा रहे थे। अचानक चार-पांच लोग आए और उन पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि वे गांव के जवाई हैं और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। महेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया कि वे झगड़ा होते देख बीच-बचाव करने पहुंचे थे, लेकिन उनके साथ भी मारपीट की गई। उन्होंने कहा कि आरोपियों के पास लाठी और आगे धारदार हथियार लगा हुआ था, जिससे गंभीर चोटें आई हैं।

पुलिस कर रही मामले की जांच : घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर घायलों के बयान ले लिए हैं। पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गांव से बाइक पर सवार होकर खेत पर स्थित मकान की ओर जा रहे दो युवकों को आधा दर्जन लोगों ने रास्ते में रोक लिया और लाठी-धारदार हथियारों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे एक अन्य व्यक्ति को भी हमलावरों ने गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना में कुल तीन लोग घायल हुए हैं, जिनमें एक के सिर में 8 टांके लगे हैं।

अर्जेंटीना में होगी संग्राम सिंह की MMA फाइट, फ्रांस के युवा फाइटर से मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। MMA खेल आइकन संग्राम सिंह के अर्जेंटीना की जमीन पर अपनी अगली फाइट की खबर के साथ ही वहां समुराई फाइट हाउस के अध्यक्ष मार्टिन पाकसियार्ज का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के टाइग्रे इलाके में रविवार, पांच अप्रैल को उनका फ्रांस के युवा फाइटर मौटेऊ मोंटेइरो से होने वाला मुकाबला मुख्य आकर्षण रहने वाला है, जहां युवा जोश और जुनून के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है। संग्राम सिंह इस दिन MMA के समुराई फाइट हाउस 28 (SFH 28) के मुख्य मुकाबले में उतरने वाले हैं। किसी भारतीय MMA फाइटर का अर्जेंटीना की धरती पर फाइट करने का यह पहला मौका होगा।

अर्जेंटीना से आया संग्राम पर बड़ा बयान : मार्टिन पाकसियार्ज ने कहा कि जॉर्जिया और नीदरलैंड के एम्सटडर्म में संग्राम ने MMA की कला में जो जलवा दिखाया है, उससे अर्जेंटीना के लोगों में उनको लेकर जबरदस्त उत्साह है। वहां के लोग यह भी जानने को उत्सुक हैं कि जहां मिट्टी और गद्दे की कुश्ती खूब चर्चा का विषय बनती हो, वहां से इन दोनों तरह की कुश्ती करने वाले संग्राम सिंह ने MMA में कैसे अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और उम्र के 40 के पड़ाव को पार करने के बाद भी कोई कैसे MMA में सफलता के झंडे गाड़ सकता है। वह भारत में इस खेल के एम्बेसडर हैं। उनकी इस फील्ड में कामयाबी से भारत में भी इस खेल को अलग पहचान मिली है। अर्जेंटीना में संग्राम सिंह की मौजूदगी मील का पत्थर साबित होने वाली है।

मैट का अनुभव काम आया: पूर्व प्रोफेशनल रेसलर से मिक्स्ड मार्शल आर्ट के फाइटर बने संग्राम सिंह ने कहा कि जब उन्होंने स्रूकी शुरुआत की तो हर किसी ने इस बात को लेकर हैरानगी जाहिर की थी कि रेसलिंग और MMA अलग दुनिया हैं लेकिन उन्हें विश्वास था कि मैट पर सीखा गया अनुशासन, फिटनेस और योद्धा की तरह जुझारूपन से वह MMA के मंच पर भी खुद को साबित करने में सफल रहेंगे। उनके हर मुकाबले से उनकी खेल कौशल (स्किल) में सुधार हुआ है।

अब तक का सबसे बड़ा मंच : संग्राम सिंह ने कहा कि नीदरलैंड और जॉर्जिया की फाइट ने उन्हें पहले से ज़्यादा मैच्योर और संपूर्ण फाइटर बनाने में मदद की है और अब अर्जेंटीना उनके सफर का अगला पड़ाव है, जहां वह अर्जेंटीनावासियों के दिल जीतने के अलावा अपने जीत के क्रम को बरकरार रखने के प्रति कृतसंकल्प हैं। अर्जेंटीना में MMA फाइट लड़ने वाले पहले भारतीय बनने पर संग्राम सिंह ने कहा कि समुराई फाइट हाउस दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित फाइट लीग में से एक है, जहां दुनिया भर के फाइटर हिस्सा लेते हैं। अर्जेंटीना में स्न्न॥ 28 का हिस्सा बनना और दक्षिण अमेरिकी दर्शकों के सामने उतरना उनके लिए गर्व की बात है। यह अब तक का उनका सबसे बड़ा मंच है और वह हर भारतीय को गर्व महसूस कराना चाहते हैं। उनका प्रोफेशनल रेसलिंग से MMA तक का सफर अब तक असाधारण रहा है।

नई चुनौती के लिए तैयार: SFH 28 के लिए संग्राम अपने विश्वसनीय कोच भूपेश कुमार और उनकी टीम की देखरेख में कड़ी तैयारी कर रहे हैं, जिन्होंने उनके स्रूगेम को नई गहराई दी है। टीम ने उनके ट्रांज़िशन, ग्राउंड कंट्रोल, स्ट्राइकिंग कॉम्बिनेशन, फाइट जैसी कंडीशंस में ढलने और फिटनेस पर विशेष काम किया है, जिससे वह एक एलीट अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वी की चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार रहें। संग्राम सिंह ने कहा कि प्रैक्टिस रिंग और जिम में कोच भूपेश सर के साथ बिताये हर पल ने उन्हें एक नए लेवल तक पहुंचाने का काम किया है। इससे उन्हें MMA की बारीकियों को और गहराई से समझने में मदद मिली है।

युवराज सिंह ने की अभिषेक की तारीफ

‘बल्ले को ही सारी बातें करने देते हैं’

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 में सुपर-8 के अपने दूसरे मुकाबले में गुरुवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत हासिल की। इस मैच में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अर्धशतक लगाया। पूर्व ऑलराउंडर और अभिषेक के मेंटर माने जाने वाले युवराज सिंह ने उनकी पारी की तारीफ की है। युवराज सिंह ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ‘सबसे अच्छी बातचीत तब होती है जब आप बल्ले को ही सारी बातें करने देते हैं। अच्छी पारी, सर अभिषेक, कोशिश करते रहो।’ अभिषेक शर्मा जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले तक पूरे विश्व कप में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। ग्रुप स्टेज के तीन मैचों में लगातार शून्य पर आउट होने वाले अभिषेक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 के पहले मैच में 15 रन बना सके थे। उनकी खराब फॉर्म ने टीम इंडिया की परेशानी बढ़ा दी थी। अभिषेक की खराब फॉर्म की वजह से भारतीय टीम को हर मैच में खराब शुरुआत मिल रही थी। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले अभिषेक को प्लेइंग इलेवन से ड्रॉप किए जाने की चर्चा भी चल रही थी, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने उन पर भरोसा करते हुए मौका दिया। अभिषेक ने इस बार निराश नहीं किया। संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे अभिषेक ने पहले कुछ गेंदें सेट होने के लिए लीं, लेकिन एक बार नजरे जमने के बाद फिर अपने विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी की। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 30 गेंदों पर 4 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 55 रन की पारी खेली। इस पारी की मदद से भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 4 विकेट पर 256 रन का पहाड़ सा स्कोर खड़ा किया और विपक्षी टीम को 184 पर रोककर 72 रन से बड़ी जीत हासिल की।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप: भारत की अगुवाई करेंगी लवलीना बोरगोहेन और निकहत जरीन

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ज़रीन 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत की 20 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ ने एक महीने तक चली गहन मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद टीम का चयन किया है।

चयन प्रक्रिया और चैंपियनशिप का महत्व: जनवरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद संभावित खिलाड़ियों को पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया था। चयन नीति के अनुसार, एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। इस कारण इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप का महत्व और भी बढ़ गया है।

महिला टीम की कमान लवलीना के हाथ: स्पेन में हाल ही में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली लवलीना (75 किग्रा) महिला टीम का नेतृत्व करेंगी।स्पेन में स्वर्ण जीतने वाली प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) को भी टीम में शामिल किया गया है। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मीन (57 किग्रा) भी टीम का हिस्सा हैं।

महिला वर्ग में अन्य प्रमुख नाम:

निकहत ज़रीन (51 किग्रा)
अंकुशिता बोरो (65 किग्रा)
पूजा रानी (80 किग्रा)
अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 किग्रा से अधिक)

पुरुष टीम की अगुवाई करेंगे सचिन

पुरुष वर्ग में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल और बॉक्सम चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता सचिन (60 किग्रा) टीम का नेतृत्व करेंगे। आकाश (75 किग्रा), जिन्होंने स्पेन में स्वर्ण जीता, भी टीम में शामिल हैं। रजत पदक विजेता दीपक (70 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा) और कांस्य पदक विजेता जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (55 किग्रा) भी टीम का हिस्सा हैं।

अन्य खिलाड़ी: विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा), आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा), लोकेश (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा से अधिक)।

BFI अध्यक्ष का बयान: भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, एशियाई चैंपियनशिप हमेशा कौशल और निरंतरता की कड़ी परीक्षा होती है। हमने ऐसे मुक्केबाजों का चयन किया है जिन्होंने अच्छी फॉर्म, अनुशासन और दबाव में प्रदर्शन की क्षमता दिखाई है। हमें विश्वास है कि यह टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

खिलाड़ियों का मूल्यांकन मुख्य कोच सैंटियागो नीवा (महिला) और सीए कुट्टप्पा (पुरुष) की देखरेख में किया गया। भारतीय टीम ने हाल ही में स्पेन में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में नौ स्वर्ण पदक जीते थे।

भारत-वेस्टइंडीज मैच में गेंदबाजों की धुनाई तय, ईडन में बुमराह-अर्शदीप होंगे अहम

कोलकाता, एजेंसी। भारत रविवार (27 फरवरी) को टी20 विश्व कप 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ‘वर्चुअल क्वार्टर फाइनल’ उसी पिच पर खेलेगा, जहां स्कॉटलैंड ने टूर्नामेंट का पहला 200 रन से अधिक का स्कोर बनाया था। ईडन गार्डन के क्यूरेटर सुजान मुखर्जी के अनुसार भारत और वेस्टइंडीज के बीच सुपर आठ का मुकाबला उसी पिच पर होगा जिस पर टी20 विश्व कप का दूसरा मैच खेला गया था। इस पिच पर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह अहम हो सकते हैं।

बंगाल क्रिकेट संघ (ष्ट्रक्क) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने शुक्रवार शाम पिच और आउटफील्ड को पूरी तरह ढकने से पहले उसका निरीक्षण किया। पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष ने मुखर्जी और बोर्ड के मुख्य क्यूरेटर आशीष भौमिक के साथ लंबी चर्चा की। पूर्व भारतीय कप्तान ने दोनों छोर से पिच की सतह का मुआयना किया।

गांगुली ने पिच का मुआयना किया- मुखर्जी ने पीटीआई से कहा, ‘गांगुली पिच की तैयारी देखकर खुश दिखे।

किदांबी श्रीकांत बाहर, जर्मन ओपन में भारत का अभियान खत्म

मुल्हेम एन डेर रूहर, एजेंसी। जर्मन ओपन 2026 में भारत की चुनौती गुरुवार को निराशाजनक तरीके से खत्म हुई, जब किदांबी श्रीकांत पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में सीधे गेम में हार गए, और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट और मौजूदा वर्ल्ड नंबर 32 चीनी ताइपे के 11वीं रैंक वाले लिन चुन-यी से सिर्फ़ 32 मिनट में 21-14, 21-9 से हार गए। ताइवानी शटलर के खिलाफ़ इतने ही हेड-टू-हेड मुकाबलों में श्रीकांत की यह दूसरी हार थी। जनवरी में इंडिया ओपन 2026 का टाइटल जीतने वाले लिन ने इससे पहले स्विस ओपन 2024 के सेमीफाइनल में श्रीकांत को तीन गेम में हराया था। श्रीकांत ने शानदार शुरुआत की, पहले गेम में 9-5 की बढ़त बना ली। हालांकि, लिन ने धीरे-धीरे वापसी की, कमी को दूर करते हुए 12-10 से आगे हो गए और फिर आराम से पहला गेम जीत लिया।

इंटरवल के बाद ताइवानी शटलर का मोमेंटम मज़बूत रहा, उन्होंने दूसरे गेम में 7-1 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में कंट्रोल बनाए रखा, जिससे श्रीकांत वापसी नहीं कर पाए। इंडियन खिलाड़ी ने इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के बाद इस टूर्नामेंट में एंट्री की थी और इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भी देश को रिप्रेजेंट किया था।

बुधवार को जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा, मालविका बंसोड़ और किरण जॉर्ज के पहले राउंड से बाहर होने से भारत की चुनौती पहले ही कम हो गई थी। भारतीय शटलर अब मशहूर ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 में हिस्सा लेंगे, जो अगले मंगलवार को बर्मिंघम में शुरू होगा।

जैस और रेहान ने पलटी हारी हुई बाजी

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया

कोलंबो, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 राउंड के मुकाबले में शुक्रवार को इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया। न्यूजीलैंड से मिले 160 रनों के लक्ष्य को इंग्लैंड ने 3 गेंद शेष रहते हुए 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। अंतिम ओवरों में विल जैक्स ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी के बूते हारी हुई बाजी को पलट दिया। न्यूजीलैंड से मिले 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। फिल सॉल्ट महज 2 रन बनाकर मैट हेनरी का शिकार बने। इसके बाद खराब फॉर्म में चल रहे जोस बटलर बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। दो विकेट जल्दी गंवाने के बाद कप्तान हैरी ब्रूक और जैकब बेथेल ने इंग्लैंड की लड़खड़ाती हुई पारी को संभालने का प्रयास किया और तीसरे विकेट के लिए 48 रन जोड़े। ब्रूक 24 गेंदों में 26 रन बनाकर आउट हुए, जबकि बेथेल 4 चौकों की मदद से 21 रन बनाकर पवेलियन लौटे। 58 रनों के स्कोर पर 4 विकेट गंवाने के बाद सैम करन और टॉम बैंटन ने मोर्चा संभाला और पांचवें विकेट के लिए 42 रन जोड़े। करन ने 22 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि बैंटन 3 चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाकर आउट हुए। 117 रनों के स्कोर पर 6 विकेट गंवाकर इंग्लैंड की टीम मुश्किल में थी और जीत दूर जाती हुई दिख रही थी।

हालांकि, विल जैक्स और रेहान अहमद ने सिर्फ 16 गेंदों में 44 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए इंग्लैंड को 4 विकेट से जीत दिला दी। जैक्स ने सिर्फ 18 गेंदों का सामना करते हुए 32 रनों की नाबाद पारी खेली। विल जैक्स ने पारी के 18वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स के खिलाफ 22 रन बनाए और यहीं से पूरा मुकाबला पलट गया। वहीं, रेहान ने 7 गेंदों में 19 रन बनाए और वह टीम को जीत दिलाकर लौटे। गेंदबाजी में न्यूजीलैंड की ओर से रचिन रविंद्र ने 19 रन देकर 3 विकेट निकाले, जबकि मैट हेनरी और फिलिप्स ने एक-एक विकेट चटकाया।

इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 159 रन बनाए। टीम को टिम सीफर्ट और फिन एलन ने ताबड़तोड़ शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 6.6 ओवर में 64 रन जोड़े। सीफर्ट ने 25 गेंदों में 3 चौके और 2 छक्के की मदद से 35 रन बनाए। वहीं, एलन ने 19 गेंदों में 29 रनों का योगदान दिया। रचिन रविंद्र बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 11 रन बनाकर आउट हुए।

ग्लेन फिलिप्स ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाए। डेरिल मिचेल सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुए, तो मार्क चैपमैन ने 15 रनों का योगदान दिया। कप्तान मिचेल सैंटनर 9 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने 4 ओवर के स्पेल में 28 रन खर्च करते हुए 2 विकेट निकाले। वहीं, विल जैक्स ने 23 रन देकर दो विकेट चटकाए। रेहान अहमद भी न्यूजीलैंड के दो बल्लेबाजों को पवेलियन भेजने में सफल रहे। इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के साथ ही न्यूजीलैंड की सेमीफाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई है। कीवी टीम को अब यह दुआ करनी होगी कि शनिवार को होने वाले मुकाबले में श्रीलंका पाकिस्तान को हराने में सफल रहे।

‘अभिषेक यही तो झेल रहे हैं अभी’, सहवाग ने सफल होने के लिए दिए अहम सुझाव; कहा-

गेंदबाज नहीं गेंद का सम्मान करो

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में काफी इंतजार के बाद अभिषेक शर्मा के बल्ले से रन निकले। अभिषेक शर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में 30 गेंदों पर 55 रन की पारी खेली और ये टी20 वर्ल्ड कप में उनका पहला अर्धशतक रहा। भारत के ये स्टार ओपनर अब फॉर्म में है, लेकिन टीम इंडिया के पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने उन्हें आगे इस तरह से सफल बने रहने के लिए कुछ अहम सुझाव दिए।

काफी कुछ झेल रहे हैं अभिषेक

सहवाग ने क्रिकबज पर बात करते हुए कहा कि अभिषेक शर्मा इस वक्त काफी कुछ झेल रहे हैं। जब वो खेलते हैं, शॉट लगाते हैं तो सब उनकी वाहवाही करते हैं, लेकिन जब वो वही शॉट खेलकर आउट हो जाते हैं, रन नहीं आते तो वो सबको खराब लगते हैं। तो ये एक बारीक लाइन है आत्मविश्वास और अतिआत्मविश्वास के बीच में। ये बल्लेबाजों को ध्यान रखना पड़ता है कि मैं कॉन्फिडेंट हूं, लेकिन ओवर कॉन्फिडेंट नहीं। तो मैं बॉल को देखकर मारूंगा ना कि इगो में आकर कि भाई मुझे मारना ही मारना है।

गेंद को रोकने में कोई हर्ज नहीं

सहवाग ने आगे कहा कि जब कोई खिलाड़ी ऐसा करता है कि मुझे मारना ही मारना है तो फिर अपने विकेट देकर चला जाता है। तो अभिषेक शर्मा भी ऐसा ही करें कि जब लेग साइड में बॉल आए तो वहीं मारें, जब ऑफ साइड में आए तो वहां मारे, लेकिन जब गेंद अच्छी हो तो उसे रोक लें। गेंद को रोकने में कोई हर्ज नहीं है। अभी क्या हो रहा है कि जब वो स्ट्राइक पर होते हैं तो कोशिश करते हैं कि मैं 6 में 6 बॉल मारूं। तो कोशिश ये होनी चाहिए कि आज नहीं लग रहा तो डिफेंस करो और एक रन ले लो। बैट्समैन को बहुत सूझबुझ के साथ खेलना पड़ता है।

मैच में नर्वसनेस है बहुत जरूरी

सहवाग के खिलाड़ी के इगो के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी मैच में यो सोचकर जाता है कि ये मेरा पहला मैच है। अगर मैं अपनी बात करूं कि मैं बड़ा प्लेयर बन गया हूं तो ये मुझे पब्लिक ने बनाया है। मैंने जो पहले किया है उससे मैं हीरो बना, लेकिन आज, मुझे फिर से खेलना है, रन बनाने हैं। अगर मैं ये सोचूं कि मैंने बहुत रन बनाए हैं, मैं देख लूंगा तो इसका मलतब ये है कि आप बिना तैयारी के जा रहे हो। मैच में नर्वसनेस बहुत जरूरी है, अगर आप नर्वस हो तो ये आपको जागरूक करती है कि मुझे देखकर खेलना है। बॉलर मत देखो की कौन है क्योंकि बॉल को मारनी है तो उसे रिसपेक्ट दो कि वो अच्छी है कि खराब है।

पाण्डेय क्लब पैपखार ने जीती मऊगंज प्रीमियर लीग ट्रॉफी

मऊगंज में 6 विकेट से हराकर जीत दर्ज की, आईजी ने खिलाड़ियों से कहा- 'दिल से खेलो और जोर से खेलो

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज कलेक्ट्रेट स्थित परेड ग्राउंड में स्वर्गीय सुरेन्द्र नाथ पाण्डेय स्मृति मऊगंज प्रीमियर लीग (एमपीएल ट्रॉफी) का शुक्रवार शाम समापन हो गया। रोमांचक फाइनल मुकाबले में पाण्डेय क्लब पैपखार ने स्वर्गीय रामदरश त्रिपाठी फैंस क्लब मऊगंज को 6 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को 51 हजार रुपए नकद और एक आकर्षक ट्रॉफी दी गई, जबकि उपविजेता को 21 हजार रुपए का पुरस्कार मिला। सानू परिहार की अर्धशतकीय पारी से पाण्डेय क्लब विजयी फाइनल मैच में स्वर्गीय रामदरश त्रिपाठी फैंस क्लब मऊगंज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम 13.5 ओवर में 99 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में पाण्डेय क्लब पैपखार ने 12.2 ओवर में 100 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। पाण्डेय क्लब की ओर से सानू परिहार ने 51 रन की शानदार पारी खेली, वहीं विकास तिवारी ने 24 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

32 टीमों वाला जिला स्तरीय टूर्नामेंट, प्रतिभाओं को मिला मंच यह जिला स्तरीय टूर्नामेंट 14 फरवरी से शुरु किया गया था, जिसमें जिले की कुल 32 टीमों को प्रवेश दिया गया था। इस आयोजन का उद्देश्य क्षेत्रीय खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना था। समाजसेवी और भाजपा नेता पंकज पाण्डेय ने इस टूर्नामेंट का आयोजन किया था। इससे पहले वे कबड्डी प्रतियोगिता भी आयोजित करा चुके हैं। समापन समारोह में रीवा रेंज के आईजी गौरव राजपूत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी, विक्रम सिंह परिहार और एसडीओपी सची पाठक शामिल थीं। आईजी बोले- 'दिल से खेलो और जोर से खेलो ' आईजी गौरव राजपूत ने समारोह से पहले पुलिस कंट्रोल रूम में एक क्राइम मीटिंग की। इस बैठक में उन्होंने अपराध नियंत्रण और नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। बाद में मैदान पहुंचकर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, 'दिल से खेलो और जोर से खेलो।' उन्होंने खेलों को समाज में एकता और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना को मजबूत करने वाला बताया।

संत हरिदास भक्ति व संगीत के महान साधक थे : संस्कृति धर्मेन्द्र सिंह लोधी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के मंत्रीधर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि संत हरिदास भक्ति व संगीत के महान साधक थे। उनकी संगीत साधना भगवानकृष्ण के चरणों में समर्पित थी। वह भारतीय संगीत की परंपरा थे। मंत्री लोधी प्रांतीय कलाकार संघ द्वारा स्वामी हरिदास संगीत समारोह में शामिल हुए। भारतीय संस्कृति के विरासत के संरक्षण के उद्देश्य से मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम में संस्कृति मंत्री ने कहा कि स्वामी हरिदास की संगीत साधना से भारतीय संगीत की आत्मा धुनित हो उठती थी। हमारा देश सिर्फ भूखण्ड नहीं वरन महान संतों की तपोभूमि है। ऐसे ही महान संत संगीत साधक स्वामी हरिदास जी हुए हैं। उनके सम्मान में यह आयोजन प्रशंसनीय है। प्रांतीय कलाकार संघ द्वारा गत 25 वर्षों से अनवरत यह आयोजन किया जा रहा है। स्वामी हरिदास जी की स्मृति में देश में दिल्ली के अतिरिक्त रीवा में ही यह आयोजन होता है। उन्होंने कहा कि बघेलखण्ड की पुण्य भूमि वंदनीय है। ऐसे आयोजन आध्यात्मिक व सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए आवश्यक हैं और इन आयोजनों से कलाकारों को उत्साहवर्धन होता है। साथ ही उन्हें अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का भी अवसर मिलता है। ऐसे आयोजनों से आधुनिक पीढ़ी आध्यात्मिक व संगीत के साथ ही अपनी सांस्कृतिक धरोहरों से जुड़ी रहेगी। संस्कृति मंत्री ने आश्वस्त किया कि इस आयोजन के लिए संस्कृति विभाग द्वारा हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

एक बगिया मां के नाम, बिल भुगतान नही होने से कर्ज से परेशान समूह की महिलाएं

मनरेगा की मजदूरी भी अटकी, महिलाओं में आक्रोश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और पर्यावरण की शुद्धता हेतु अति महत्वपूर्ण योजना एक बगिया मां के नाम योजना चलाई जा रही है लेकिन यह योजना अब समूह की महिलाओं को कर्जदार बना रही है। जिस कारण महिलाओं में शासन की योजना के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त हो रहा है। बताया जाता है कि योजना में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को शामिल करना था और उनके खेतों में फलदार पौधे लगाने थे जिसके लिए चारों तरफ आरसीसी खंभे में सात परत कांटो के तार से फिनिशिंग करना था,और यह सब महिलाओं को अपने पैसे से करना था। जिसमें लाखों रुपए का खर्च था, अधिकारियों ने दबाव पूर्वक लक्ष्य हासिल करने के चक्कर में बगिया तो लगवा दिया गया, लेकिन बिल भुगतान में उदासीनता के चलते अब गरीब महिलाएं कर्ज तले दब गई और परेशान हैं। जबकि मुख्यमंत्री की घोषणा अनुसार बगिया लगने के प्रथम वर्ष दो लाख द्वितीय वर्ष पचास हजार और तृतीय वर्ष फिर पचास हजार देने की घोषणा की गई थी। लेकिन आज तक समूह की महिलाओं को एक रुपया तक नहीं मिला, कर्ज से परेशान समूह की महिलाओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। महिलाओं ने कहा कि ब्याज में कर्ज लेकर बगिया लगाई है अब उस बगिया में पानी खाद और कीटनाशक दवाओं की आवश्यकता है लेकिन पैसे के अभाव में व्यवस्था नहीं हो पा रहा है और हमारी बगिया सूखने की कगार में पहुंच चुकी है इसके जिम्मेदार बेखबर हैं सीएम हेल्पलाइन में शिकायत हो रही बेअसर है। महिलाओं का कहना है कि समस्या की शिकायत सीएम हेल्पलाइन में भी की गई है लेकिन वहां से भी कुछ नहीं हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने अजमेर से राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। देश में महिलाओं एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक बड़ा और दूरदर्शी कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के अजमेर से राष्ट्रीय एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। 3 माह तक चलने वाले अभियान में देश में 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की 1 करोड़ किशोरी बालिकाओं का टीकाकरण किया जाएगा। मध्यप्रदेश में 8 लाख किशोरी बालिकाओं का टीकाकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली से वर्चुअली संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में प्रिवेंटिव हेल्थ केयर को सशक्त करने की दिशा में निरंतर कार्य हो रहा है। इसी कड़ी में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया गया है। मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य के क्षेत्र में दृढ़ता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि कि बाजार में एचपीवी वैक्सीन की कीमत लगभग 4 हजार रुपये प्रति डोज है, लेकिन सरकार यह टीका 14-15 वर्ष की सभी पात्र बालिकाओं को पूर्णत: नि:शुल्क उपलब्ध करा रही है। उन्होंने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और अभिभावकों से अपील की कि इस अभियान को जनआंदोलन बनाकर सफल बनाएं। मध्यप्रदेश में डॉ कैलाशनाथ काटजू हॉस्पिटल भोपाल से अभियान का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि 'आज का दिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐतिहासिक है।

कलेक्टर ने 41 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भेजा नोटिसयोजनाओं में लापरवाही पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। सरकारी योजनाओं के काम में लापरवाही सामने आने के बाद कलेक्टर संजय कुमार जैन ने सख्त कदम उठाए हैं। महिला एवं बाल विकास परियोजना हनुमना क्रमांक-02 के तहत काम कर रही 41 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही साफ कहा गया है कि जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर पद से हटाने की कार्रवाई की जाएगी। जांच में पाया गया कि कई जरूरी योजनाओं में काम बहुत धीमा था। इसमें प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, पोषण ट्रैकर ऐप पर पंजीयन, आभा आईडी और अपार आईडी बनाना, फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम से टेक होम राशन वितरण, बच्चों को हॉट कुक मील और नाश्ते की ऑनलाइन एंट्री, और कुपोषित बच्चों की पहचान और फॉलोअप जैसे काम शामिल हैं। जत्था, बेल्हा कन्हैया, खोड़मानी 1 और 2, कोईडार, पटेहरा, गोईडार, पतेहरी, देवरी, कैलाशपुर, अगरही, दामोदरगढ़, मूर्तिहा, पिपरौही, रघुनाथगढ़, नरसिंहपुर और चोरहा सहित कई आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यकर्ताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि तय समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद विभाग में हलचल तेज हो गई है।

बच्ची का शव रखकर आईजी कार्यालय के बाहर धरना, परिजनों का आरोप-बेघर होने से मौत हुई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जमीनी विवाद का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। वरुण मिश्रा और अमरबहादुर सेन के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी बीच सेन परिवार की 2 माह की बच्ची की मौत के बाद मामला भावनात्मक और संवेदनशील हो गया है। पुलिस के मुताबिक बच्ची को पहले निमोनिया हुआ था, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ने पर ब्रेन हेमरेज हो गया। बच्ची का इलाज पहले रीवा में और बाद में एम्स भोपाल में कराया गया। करीब दो महीने तक वह भर्ती रही,दिसंबर भर्ती हुई जिसकी फरवरी के आखिरी दिन मौत हो गई। सेन परिवार का आरोप है कि जिस जगह पर उनका घर था, उसे अतिक्रमण बताकर गिरा दिया गया। परिवार का कहना है कि घर गिराए जाने के कारण वे बेघर हो गए और इसी सदमे व अव्यवस्था के चलते बच्ची की हालत बिगड़ी, जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस का कहना है कि अतिक्रमण घोषित करने का निर्णय तहसील कार्यालय द्वारा लिया गया था। बिछिया थाना प्रभारी के मुताबिक जिस स्थान पर कार्रवाई की गई, वहां पशुओं को खिलाने के लिए भूसा भी रखा हुआ था। पुलिस के अनुसार जमीन विवाद को लेकर मिश्रा और सेन परिवार के बीच झगड़े की शिकायत मिली थी। इसके बाद दोनों पक्षों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई थी।

देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी का विवाद गहराया मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर ने वीडियो जारी कर विरोध जताया, कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कैलाशपुरी इलाके में गुरुवार को भाजपा नेता के घर आयोजित गृह प्रवेश कार्यक्रम के दौरान लाउडस्पीकर से देवी-देवताओं पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। पुलिस द्वारा भाजपा नेता से पूछताछ के बाद यह विवाद शांत होता नजर आ रहा था, लेकिन अब रीवा मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर आशय द्विवेदी के वीडियो बयान के बाद मामला फिर चर्चा में आ गया है। इस मामले की लिखित शिकायत भी थाने में की जा चुकी है। जानकारी के अनुसार, बैकुंठपुर निवासी भाजपा नेता सीताराम साकेत के घर गृह प्रवेश कार्यक्रम रखा गया था। आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान सुबह करीब 10 बजे से लाउडस्पीकर पर भगवान शंकर, मां दुर्गा, भगवान कृष्ण समेत अन्य देवी-देवताओं के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। क्रायक्रम के दौरान आपत्तिजनक टिप्पणियां घटना के बाद मोहल्ले में आक्रोश फैल गया और कुछ देर के लिए दो पक्ष आमने-सामने आ गए। स्थानीय निवासी रागिनी सिंह बघेल ने बताया था कि शुरू में लगा कि कार्यक्रम का सामान्य शोर-शराबा है, लेकिन जब लगातार आपत्तिजनक टिप्पणियां होती रहीं तो लोग समझाने पहुंचे। इसी दौरान विवाद की स्थिति बन गई और मारपीट जैसे हालात बन गए। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने हस्तक्षेप किया और भाजपा नेता से पूछताछ की। साथ ही पूरे घटनाक्रम को लेकर संबंधित थाना में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई जा चुकी है। पुलिस ने शांति बनाए रखने की अपील की थी। मामले में भाजपा नेता ने मामले में गलती स्वीकार करते हुए यह कहा था कि मेरे घर में सैकड़ों लोग आए थे, किसी ने कह दिया होगा। अब डॉक्टर आशय द्विवेदी का वीडियो आया सामने इसी बीच रीवा मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर आशय द्विवेदी ने एक वीडियो जारी कर घटना पर कड़ा विरोध जताया है। वीडियो में उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म, देवी-देवता या आस्था के प्रतीकों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करना समाज में वैमनस्य फैलाने का काम करता है। डॉ. द्विवेदी ने कहा, 'रीवा जैसे शांत शहर में इस तरह की घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है।

28 लाख के अनुरक्षण घोटाले में एपीसी और प्राचार्य गुढ़ पर गिरी निलंबन की गाज

डीईओ रामराज एवं एडीपीसी नवीन श्रीवास्तव पर कार्यवाही का इंतजार

उच्च अधिकारियों पर कार्यवाही न होने से प्रशासन की मंशा पर उठ रहे सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग में हुए 28 लाख के अनुरक्षण घोटाले में आखिरकार रीवा संभाग कमिश्नर बी एस जामोद ने पहली कार्यवाही की है,जिसमें एपीसी सुधाकर तिवारी एवं गुढ़ प्राचार्य विनय मिश्रा को निलंबित कर दिया गया है। कमिश्नर बी एस जामोद ने दोनों के निलंबन आदेश जारी कर दिए हैं। जबकि अभी तक डीईओ रामराज मिश्र एवं तत्कालीन एडीपीसी नवीन श्रीवास्तव पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है जिसे लेकर तरह तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है। गौरतलब है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा रंगाई,पुताई एवं मरम्मत कार्य के लिए रीवा जिले के स्कूलों के लिए 50 लाख रुपए की राशि आवंटित की गई थी। लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी रीवा ने मात्र पांच स्कूलों के एवज में ठेकेदार सत्यव्रत तिवारी को 28 लाख रुपए का भुगतान कर दिया था। जिसकी शिकायत समाजसेवी कमल सिंह बघेल द्वारा कमिश्नर रीवा के यहां की गई थी। कमिश्नर रीवा ने जांच जेडी रीवा को सौंपी थी। जेडी रीवा की टीम ने सभी विद्यालयों के कार्य का सत्यापन कराया एवं संबंधित विद्यालय के प्राचार्य को तलब किया। जिसमें तीन प्राचार्यों ने लिखित में दिया कि उनके यहां ना तो कोई कार्य हुआ है, ना ही उनके द्वारा भुगतान की अनुशंसा की गई है। जांच के बाद जिला शिक्षा अधिकारी रामराज मिश्रा, एडीपीसी नवीन श्रीवास्तव, एपीसी सुधाकर तिवारी, लेखा अधिकारी पुष्पा पुशाम एवं तीन प्राचार्य दोषी पाए गए थे जिनकी मिलीभगत से ठेकेदार को 28 लख रुपए का भुगतान किया गया था । जेडी ने जांच रिपोर्ट कमिश्नर रीवा को सौंप दी थी। लेकिन महीने भर बाद भी दोषियों के खिलाफ कार्यवाही न होने से तरह तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं।अंतत: कमिश्नर बी एस जामोद ने एपीसी सुधाकर तिवारी एवं गुढ़ प्राचार्य विनय मिश्रा को निलंबित कर दिया है। हालांकि डीईओ रामराज मिश्रा एवं एडीपीसी नवीन श्रीवास्तव के खिलाफ अभी तक कार्यवाही न होने से प्रशासन की मंशा पर सवाल उठाए जा रहे हैं ।

दोहरे मामले में फंसे डीईओ रामराज की मुश्किलें बढ़ीं: हालांकि डी ई ओ रामराज की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं।अभी कमिश्नर के पास कार्यवाही का प्रस्ताव लंबित है। वही दूसरी ओर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान डीईओ और सहायक संचालक मौके पर नहीं थे। उनकी गैरमौजूदगी में कलेक्टर ने कार्यालय के हर कक्ष की जांच की थी।सभी शाखाओं की फाइलों का परीक्षण किया था। कलेक्टर के निरीक्षण में कई लापरवाहियाँ सामने आई थी। फाइलो की पेडेंसी मिली थी। शिक्षकों का वेतन जानबूझ कर रोकने का मामला सामने आया था। इस मामले में कलेक्टर ने कई फाइलें जब्त की थी।

डीईओ चेम्बर में भी कुछ फाइलें जब्त की थी। इन्हीं फाइलों का परीक्षण करने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी रामराज मिश्रा सहित उनके कार्यालय में पदस्थ विभिन्न शाखाओं के लिपिकों को नोटिस जारी किया गया था। नोटिस का जवाब तीन दिन में मांगा गया था। सभी का जवाब कलेक्टर के पास पहुंच गया है। जिसके बाद आगे की कार्यवाही का इंतजार है।

पर्यावरण संरक्षण के साथ मनेगी स्वच्छ और स्वस्थ होली, कलेक्टर ने जारी किए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। होलिका दहन पर गौकाष्ठ और उपलों का होगा उपयोग रीवा 28 फरवरी 2026. जिले में इस वर्ष होली के पावन पर्व को पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक संदेश के साथ मनाने का निर्णय लिया गया है। कलेक्टर प्रतिभा पाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जिले में 'स्वच्छ और स्वस्थ होली' अभियान के तहत लकड़ी के स्थान पर 'गौकाष्ठ' (गाय के गोबर से बनी लकड़ी) और उपलों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। शासन की इस पहल का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण को बचाना और पेड़ों की कटाई रोकना है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि होलिका दहन के दौरान पारंपरिक लकड़ी का त्याग कर गौकाष्ठ और कण्डों का उपयोग करें। इसके साथ ही, प्राकृतिक एवं हर्बल रंगों के प्रयोग और पशु-पक्षियों पर रंग न डालने का संकल्प लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया है। कलेक्टर ने जिले के सभी नगर पालिक निगमों, जनपद पंचायतों और नगरीय निकायों को निर्देश दिए हैं कि जिले के विभिन्न स्तरों पर आयोजित होने वाले सार्वजनिक होलिका दहन कार्यक्रमों का नि:शुल्क पंजीयन जिला मुख्यालय, तहसील और नगरीय निकायों में कराएं। होलिका दहन के दिन मैदानी अमला आयोजन स्थलों का भ्रमण करेगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वहां जलाऊ या इमारती लकड़ी के स्थान पर गौकाष्ठ का उपयोग हो। इसका प्रमाणन भी संबंधित अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। इस अभियान में पंचायत और पंचायती राज संस्थाओं को सक्रिय रूप से शामिल किया जाएगा। कलेक्टर ने इस बात पर जोर दिया है कि होली का त्योहार आपसी मतभेदों को मिटाकर भाईचारे, सामाजिक एकता और हर्षोल्लास के साथ मनाएं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।